MUMBAI TARANG™

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल | उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-34 ❖ मुंबई ❖ रविवार 15 से 21 अगस्त 2021 ❖ पृष्ठ-8 | ₹4/-

अकेले हो तो...
विचारों पर काबू रखो
और
सबके साथ हो...
तो जुबान पर काबू रखो...

जय श्री राम
Yogi
8156045100
8401376537
Bimal Patel
8401886537
YOGI PROPERTY DEALER
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

MUMBAI TARANG
मुंबई तरंग न्यूज पेपर की
तरफ से सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

तिरंगा विक्रेताओं पर भी कोरोना की मार

नहीं बिक रहा है झंडा

बदलापुर, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बदलापुर, अंबरनाथ व उल्हासनगर के तिरंगा झंडा बेचनेवाले मायूस हैं। ये पहले इस सीजनल व्यवसाय में अच्छी कमाई कर लेते थे। पर कोरोना महामारी के कारण इस बार इनका झंडा काफी कम बिक रहा है। बच्चे घर से बाहर नहीं निकल रहे हैं। विद्यालय बंद हैं। साथ ही आर्थिक तंगी के कारण लोग परेशान हैं इसलिए झंडा नहीं खरीद रहे हैं। तरह-तरह के झंडे, बैज आदि बने पड़े हुए हैं। बदलापुर-पूर्व के कात्रप चौक पर तिरंगा झंडा बेचनेवाले मैजू शंकर पवार ने बताया कि वे १५ साल से २६ जनवरी (गणतंत्र दिवस) व १५ अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) पर झंडा बेचते आ रहे हैं। दो वर्ष से कोरोना के कारण उनका धंधा मंदा हो गया है। वे सड़क पर घूमकर धंधा करते हैं। उनके पास कपड़े, कागज, प्लास्टिक के झंडे के अलावा तरह-तरह के बिल्ले हैं। तिरंगे की चकरी है, जिसे बच्चे अधिक पसंद करते हैं। २०२० के पूर्व शिवसेना के द्वारा मैराथन का आयोजन किया जाता था। उस समय झंडे की अच्छी बिक्री होती थी। जो अब नहीं हो रही है। बदलापुर व अंबरनाथ में ३० के करीब लोग सड़क, मुख्य चौक, सरकारी कार्यालय के सामने झंडे बेचते हैं। बदलापुर-पश्चिम स्टेशन के सामने एक विक्रेता राजेंद्र जाधव ने बताया कि वह १९९५ से यह काम करते आ रहे हैं।

देश के लिए मार्गदर्शक बनेगी ई-फसल परियोजना! : मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे

मुंबई, राज्यभर में लागू होनेवाली ई-फसल सर्वेक्षण परियोजना देश के लिए मार्गदर्शक साबित होगी, ऐसा विश्वास मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने व्यक्त किया। इसके साथ ही आनेवाले दिनों में ई-फसल सर्वेक्षण मोबाइल ऐप किसानों को अपना बना लेगा, ऐसी उम्मीद मुख्यमंत्री ने जताई है।

आगामी स्वतंत्रता दिवस से राजस्व एवं कृषि विभाग द्वारा कार्यान्वित की जानेवाली संयुक्त परियोजना 'ई-फसल सर्वेक्षण' का उद्घाटन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने हाथों कल सह्याद्रि गेस्ट हाउस में इलेक्ट्रॉनिक बटन दबाकर किया गया। इस अवसर पर राजस्व मंत्री बालासाहेब थोरात, कृषिमंत्री दादाजी भुसे, राजस्व राज्यमंत्री अब्दुल सत्तार सहित ऑनलाइन पद्धति से कृषि राज्यमंत्री डॉ. विश्वजीत कदम, मुख्य सचिव सीताराम कुंटे, अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. नितीन करीर, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव आशीष कुमार सिंह, प्रधान सचिव विकास खारगे, प्रधान सचिव एकनाथ डवले, संचालक निरंजन सुधांशु, टाटा ट्रस्ट के मुख्य सलाहकार जयंतकुमार बांठिया, टाटा ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीनाथ नरसिंहन, परियोजना के राज्य समन्वयक रामदास जगताप सहित राजस्व विभाग के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

मोबाइल ऐप को ऑनलाइन लॉन्च करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ साल पहले किसानों को अपना सातबारा देखने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती थी, लेकिन आज किसान अपना सातबारा मोबाइल पर देख सकते हैं। परिवर्तन प्रकृति का नियम है, इसलिए बदलते समय में हमें इस बात की खुशी है कि आधुनिक तकनीक की मदद से हम किसानों की कठिनाइयों को कम करने के साथ-साथ उन्हें आवश्यक दस्तावेज सरल तरीके से उपलब्ध कराने में मदद कर रहे हैं।

महाराष्ट्र में आना है तो लाना होगा सर्टिफिकेट

सरकार ने जारी किया परिपत्रक

मुंबई, महाराष्ट्र सरकार के अथक परिश्रम के चलते कोरोना मरीजों की संख्या में काफी गिरावट आई है। नतीजतन सरकार ने 'ब्रेक दी चेन' के तहत राज्य में लगाए गए प्रतिबंधों में ढील दी है। लेकिन पुन: कोरोना का प्रसार न हो, इसके लिए अन्य राज्यों से आनेवालों के लिए कोरोना वैक्सीन की दोनों खुराक लेने के १४ दिन उपरांत ही प्रवेश की अनुमति होगी। यदि वे दोनों खुराक लेने का प्रमाण देने में असफल हो रहे हैं तो उन्हें आरटीपीसीआर की नेगेटिव रिपोर्ट देना जरूरी होगा। इस संदर्भ में शुक्रवार को राज्य सरकार की ओर से परिपत्रक जारी किया गया।

बता दें कि लोकल ट्रेन में आम जनता को सशर्त अनुमति, दुकानें, मॉल, जिम आदि के लिए १५ अगस्त से छूट देने की घोषणा मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने की थी। उनके आदेशानुसार प्रशासन ने शुक्रवार देर रात इस संदर्भ में परिपत्रक जारी किया।

संशोधित परिपत्रक के अनुसार सभी को कोरोना के नियमों के पालन के लिए सख्त हिदायत दी गई है। जिन संस्थानों को १५ अगस्त से शुरू करने की छूट दी गई है, उन संस्थानों के सभी कर्मचारी वैक्सीन की दोनों खुराक लेने के १४ दिन बाद ही ड्यूटी पर तैनात होने के लिए पात्र होंगे। इन्हें मिली राहत लोकल ट्रेन में सशर्त यात्रा की अनुमति, दुकान, होटल्स, मॉल, रेस्टोरेंट, जिम आदि को सशर्त रात १० बजे तक खोलने की छूट है। लोकल की तरह ही ये शर्त मॉल, रेस्टोरेंट, जिम, रेस्टोरेंट आदि के कमर्चारियों के लिए भी लागू होगा।– सभी प्रकार के बागीचे, खुले मैदान, खेल के मैदान आदि को भी खुला रखने की अनुमति दी गई है। इसके अलावा चलने-फिरने, दौड़ने, साइकिलिंग, व्यायाम को अनुमति दी गई है। सभी कृषि गतिविधि, सिविल कार्य, औद्योगिक गतिविधि, माल का परिवहन पूरी क्षमता के साथ चल सकता है। सरकारी व निजी कार्यालय – सभी सरकारी और निजी कार्यालय पूरी क्षमता के साथ काम कर सकते हैं।

हिंदुस्थानी अर्थव्यवस्था को बांग्लादेशी चूना

मालदा से धराया नकली माल पहुंचानेवाला

मुंबई, पड़ोसी देशों में सक्रिय हिंदुस्थान विरोधी ताकतें आतंकवाद, मादक पदार्थ व नकली नोट के जरिए हिंदुस्थान को कमजोर करने के प्रयास में जुटी हैं। आए दिन मादक पदार्थ से लेकर नकली नोट के तस्कर व आतंकियों की धरपकड़ इसका प्रमाण है। उच्च क्वालिटी के नकली नोट की आपूर्ति करनेवाले एक ऐसे ही वांछित आरोपी को मुंबई एटीएस ने पश्चिम बंगाल के मालदा जिले से गिरफ्तार किया है। उक्त आरोपी एटीएस की टीम को पिछले 7 साल से चकमा दे रहा था।

बता दें कि 12 अप्रैल, 2014 को मुंबई एटीएस की नागपाड़ा यूनिट ने एक हजार रुपए के 517 नकली नोट जप्त किए थे। 5 लाख 17 हजार रुपए के ये नकली नोट बांग्लादेश से मुंबई में लाए गए थे। इस माले में एटीएस की टीम ने 7 आरोपियों को हिरासत में लिया था। उन सात आरोपियों से पूछताछ में 28 वर्षीय तस्कर का नाम सामने आया था। उक्त तस्कर मालदा जिले के कुंभीरा स्थित चायपारा आंचल क्षेत्र का निवासी था। वह बांग्लादेश से नकली नोट लाकर मुंबई में अपने सहयोगियों की मदद से चलाने की फिराक में था। लेकिन उसके साथी पुलिस के हत्थे चढ़ गए। एटीएस की टीम उक्त तस्कर को दबोचने के लिए कई बार मालदा गई थी लेकिन वह पेशेवर व शातिर तस्कर होने के कारण हर बार एटीएस को चकमा देने में सफल हो जाता था। हाल ही में एटीएस अधिकारियों को कथित वांछित तस्कर के मालदा में मौजूद होने की पुख्ता जानकारी मिली थी, जिसके बाद एटीएस नागपाड़ा के प्रभारी पुलिस निरीक्षक संतोष भालेकर के मार्गदर्शन में एपीआई विल्सन रॉड्रिग्स की टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। उक्त तस्करी की गिरफ्तारी से नकली नोट की तस्करी के मामले में बड़े खुलासे होने की उम्मीद एटीएस की टीम लगा रही है।

मानसून की बेरुखी ने बढ़ाई मुश्किलें!

मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन दिनों तक मुंबई सहित राज्य के अधिकांश जिलों में ज्यादा बारिश के आसार नहीं हैं। मौसम शुष्क रहेगा। राज्य में इस तरह का मौसम पिछले कई दिनों से बना हुआ है। आगामी मंगलवार तक यही स्थिति रहेगी। मानसून के बदले रुख ने अन्नदाताओं की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मौसम विभाग के वैज्ञानिक मानसून में आए बदलाव को लेकर ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन को प्रमुख कारण मान रहे हैं। बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में दबाव कम बन रहा है, जिससे राज्य से मानसून के बादलों ने रुख मोड़ लिया है।

15 अगस्त 2023 तक 75 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें चलाई जाएंगी : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी ने आज 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि 15 अगस्त 2023 तक नई 75 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें चलाई जाएंगी। पीएम मोदी ने घोषणा करते हुए कहा कि 'आजादी का अमृत

महोत्सव' के 75 सप्ताह में, 75 'वंदे भारत' ट्रेनें देश के विभिन्न हिस्सों को जोड़ेंगी। बता दें कि वंदे भारत एक्सप्रेस एक सेमी हाई स्पीड शताब्दी श्रेणी की ट्रेन है। यह पूरी तरह से वातानुकूलित ट्रेन है जिसमें तेज गति और आधुनिक यात्री सुविधाएं उपलब्ध हैं।

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
गिरीश मानिया
G9
Business Center

मुख्यमंत्री योगी बोले- अपना कर्तव्य निभाना ही राष्ट्रधर्म है

75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर ध्वजारोहण किया और प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यह हम सबका सौभाग्य है कि देश की स्वाधीनता के अमृत महोत्सव वर्ष का हम सबको साक्षी बनने का अवसर मिल रहा है। 1947 में पराधीनता के खिलाफ एक लंबी लड़ाई के बाद देश स्वतंत्र हुआ था। देश की स्वाधीनता की क्या कीमत होती है, यह देश के अंदर अलग-अलग स्थानों पर बने शहीद स्मारक, स्वाधीनता आंदोलन से जुड़े वह सभी स्मारक इस बात के गवाह हैं।उन्होंने कहा कि 1857 से आरंभ हुई देश की स्वाधीनता की उस सामूहिक लड़ाई में इस देश ने विदेशी हुकूमत को अपनी ताकत का अहसास कराया था। 1916 में स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा का उद्घोष करने वाले लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का यह उद्घोष देश की स्वाधीनता का एक मंत्र बन गया था।

रक्षा में भारत विश्व का चौथा शक्तिमान

अंग्रेज दूसरे विश्वयुद्ध तक भारतीय सेना में सैनिक संख्या 25 लाख पहुंचा चुके थे। युद्ध खत्म हुआ तो अधिकतर की सेवाएं खत्म कर दी। देश का बंटवारा हुआ तो सेना भी धार्मिक आधार पर बांटी गई।दो से पांच बटालियन वाली 23 इंफेंट्री रेजीमेंटों में से 15 भारत को मिलीं। 10 गोरखा रेजीमेंटों में से भी छह हमें मिलीं, चार अंग्रेजों ने अपने पास रख कर उसे ब्रिटिश मलाया (मौजूदा सिंगापुर व निकटवर्ती द्वीप व भूभाग) में तैनात किया। 27 में से 19 आर्टिलरी रेजीमेंट्स, दो तिहाई इंजीनियर व अन्य यूनिट्स भारत को मिलीं। सेना की कुल संख्या 1.20 लाख थी। विश्व की दूसरी सबसे बड़ी सेना5 लाख पहुंची थी सैनिकों की संख्या साल 1948 से 1953 तक चले सेना भर्ती अभियानों के बाद।14.55 लाख सक्रिय सैनिक, 11.50 लाख रिजर्व फोर्स और 25 लाख से अधिक अर्द्धसैनिक बल आज भारत के पास हैं। इसे विश्व की दूसरी सबसे बड़ी सेना माना जाता है, अर्द्धसैनिक बल भी गिनें तो यह सबसे बड़ी है।पुलिस क्षमता बढ़ाई1947 :2.38 लाख नागरिक पुलिस और 1.42 लाख सशस्त्र पुलिस यानी 3.80 लाख पुलिसकर्मी थे।

स्वतंत्रता दिन पर विशेष छूट
समोसा ₹ ~~16~~/- 12/-
जलेबी ₹ ~~540~~/-440/-
मकाई चिवड़ा ₹ ~~360~~/-300/-
(शुद्ध घी की) बूंदी ₹ ~~400~~/-300/-
Scheme Valid 14th & 15th Aug 2021
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501
Order Now
+91 98208 99501
www.mmmithaiwala.com

शिक्षा की बुनियाद

खुद केंद्रीय शिक्षामंत्री ने माना है कि देश के करीब पंद्रह करोड़ बच्चे और युवा औपचारिक शिक्षा से वंचित हैं। करीब पच्चीस करोड़ आबादी अब भी साक्षर नहीं हो पाई है। यह स्थिति तब है, जब शिक्षा का अधिकार कानून को लागू हुए ग्यारह साल हो चुके हैं। इस कानून के तहत चौदह साल तक की उम्र के सभी बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा देने का वादा है। अनिवार्य शिक्षा का तात्पर्य है कि सभी बच्चों को औपचारिक स्कूलों में दाखिला दिलाया जाए। यह दायित्व सरकारी, निजी और सभी धर्मादा संस्थाओं के तहत चलने वाले स्कूलों पर डाला गया है कि वे इस कानून के तहत बच्चों को शिक्षा प्रदान करें। निजी स्कूलों में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए पच्चीस फीसद सीटें आरक्षित रखना अनिवार्य है। मगर इतने सालों बाद भी अगर पंद्रह करोड़ बच्चे औपचारिक शिक्षा से दूर हैं, तो यह व्यवस्थागत खामियों का ही नतीजा कहा जा सकता है। यों बहुत सारे मां-बाप गरीबी की वजह से अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेज पाते, कम उम्र में ही वे उनको किसी कामकाज में लगा देते हैं। इससे पार पाने के मकसद से स्कूलों में दोपहर का भोजन योजना शुरू की गई थी, ताकि बच्चों को पढ़ाई की जगह भोजन के लिए न भटकना पड़े। इसके पीछे उन्हें उचित पोषण उपलब्ध कराने की मंशा भी थी। कई राज्य सरकारों ने ऐसे बच्चों को पढ़ाई के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से कुछ नकदी देने की योजना भी चला रखी है। देश में शिक्षा की दर बढ़ाने का अंतरराष्ट्रीय दबाव लगातार बना रहता है। इसलिए

सरकारें समय-समय पर इसके लिए कुछ प्रोत्साहन योजनाएं भी घोषित करती रहती हैं। फिर भी उनसे अपेक्षित परिणाम नहीं निकल पा रहे, तो निश्चित रूप से इसमें कुछ बुनियादी खामियां हैं। गरीब परिवारों के अपने बच्चों को स्कूल न भेजने की वजह पर ही गंभीरता से नजर डालें, तो इसमें केवल भूख उनकी समस्या नहीं है। सरकारी स्कूलों की कमी, उनमें संसाधनों का अभाव और जाति के आधार पर भेदभाव जैसी समस्याएं जड़ जमाए बैठी हैं। आबादी के अनुपात में अब भी पर्याप्त सरकारी स्कूल नहीं हैं। जो स्कूल हैं भी, उनमें अध्यापकों की भर्ती सालों से नहीं हो पाई है। संविदा पर अध्यापक रख कर काम चलाया जाता है। जो अध्यापक हैं, वे स्कूलों में कम ही उपस्थित रहते हैं। कई जगह एक ही अध्यापक सभी कक्षाओं के बच्चों को संभालता पाया जाता है। ऐसे में जो बच्चे स्कूल जाते भी हैं, उनकी पढ़ाई-लिखाई का स्तर संतोषजनक नहीं होता। इसलिए भी बहुत सारे माता-पिता के मन में यह धारणा बैठी हुई है कि उनके बच्चों का स्कूल जाना या न जाना बराबर है, इससे अच्छा तो उन्हें कोई काम सीखने में लगा देना है। वास्तव में शिक्षा का मकसद केवल अक्षर ज्ञान या जोड़-घटाना सीख लेना भर नहीं होता।

दरकते पहाड़

किरीट ए. चावड़ा

हिमाचल प्रदेश में एक बार फिर पहाड़ टूट कर गिरने की बड़ी घटना ने इस बात की चेतावनी दी है कि इन इलाकों में भूस्खलन आज कितने बड़े खतरे का रूप ले चुका है। हाल के दिनों में पहाड़ ढहने की कई घटनाओं ने स्थानीय से लेकर पर्यटन क्षेत्र के सभी लोगों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं।

यों इस तरह के हालात के लिए आमतौर पर मानवीय गतिविधियां ही मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं, लेकिन पर्यावरण में जिस तरह के बदलाव आ रहे हैं, उसके मद्देनजर भी प्रकृति का व्यवहार कुछ उग्र होता दिख रहा है। बुधवार को किन्नौर जिले के भावानगर उपमंडल में पहाड़ दरकने और एक बड़ा हिस्सा ढह जाने की वजह से वहां सड़क से गुजरते कई वाहन उसकी चपेट में आ गए। नतीजतन, कई लोगों की जान चली गई। बचाव दलों ने एक दर्जन से ज्यादा लोगों के शव निकाले और कम से कम इतने ही लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हालांकि पहाड़ का मलबा जितने बड़े दायरे में ढह कर गिरा, उसमें कई और लोगों के दबे होने की आशंका है। करीब पखवाड़ा भर पहले हिमाचल प्रदेश के ही सिरमौर में भूस्खलन की एक बड़ी और भयावह घटना सामने आई थी, जिसमें एक पहाड़ का बड़ा हिस्सा ढह गया और काफी दूर तक सड़क खाई में दब गई। उस घटना में गनीमत यह रही कि कुछ

समय पहले संकेत मिल जाने की वजह से लोग सावधान हो गए और उसमें किसी की जान नहीं गई। लेकन उसके पहले सांगला घाटी में पहाड़ से अचानक बड़े-बड़े पत्थर गिरने लगे और उसकी चपेट में आकर नौ लोगों की मौत हो गई और एक पुल भी टूट गया। उत्तराखंड से भी ऐसी घटनाएं गाहे-बगाहे आती रहती हैं। एक मुख्य वजह यह जरूर है कि मानसून और लगातार बारिश की वजह से मिट्टी की पकड़ कमजोर पड़ती है और बहुत धीरे-धीरे ही, लेकिन पहाड़ दरक कर किसी भी समय ढह जाने की स्थिति में आ जाता है। इसके अलावा, पहाड़ी इलाकों में बादल फटने से आई बाढ़ भी बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा कर गई। सवाल है कि क्या बाहर से बेहद ठोस दिखने वाले पहाड़ इतने कमजोर हो रहे हैं या फिर इनके ढहने की वजहें भी हैं! दरअसल, ऐसी घटनाएं पहाड़ों में निर्माण क्षेत्र का फैलता दायरा और मानवीय गतिविधियों के बढ़ने के बीच ज्यादा बढ़ी हैं। यह किसी से छिपा नहीं है कि पिछले कई सालों से लगातार पहाड़ी इलाकों में हाइड्रोपावर परियोजनाओं, सुरंगों और सुरक्षा के जरूरी मानकों के बिना सड़कों के निर्माण या विस्फोट के क्रम में पहाड़ों में कैसी कंपन पैदा होती है।

इनके चलते न केवल पहाड़ों पर ऊपर टिके पत्थरों का संतुलन बिगड़ता है और वे अचानक खतरनाक तरीके से नीचे गिरने लगते हैं, बल्कि बीच में कहीं दरार भी पड़ जाती है, जो बरसात के दिनों में बड़े हिस्से के ढह जाने की मुख्य वजह बनती है। फिर फैलती आबादी के साथ बनती इमारतें, होटल और दूसरे निर्माण पहाड़ की बनावट के मुताबिक कितने मानकों का खयाल रख पाते हैं, कहा नहीं जा सकता। इसके नुकसान आए दिन इन इलाकों में भूस्खलन और मलबे में दब कर लोगों की मौतों के रूप में सामने आ रहे हैं।

चुनौती बनतीं कुप्रथाएं और समाज

जिगर डी वाढेर

महिलाओं के पास अपने जीवन के विषय में निर्णय लेने का अधिकार और सम्मानपूर्ण जीवन जीने का अधिकार संरक्षित है। फिर भी खुलेआम उनके मानवधिकारों का उल्लंघन होता है। महिलाओं द्वारा उठाई गई विरोध की आवाज को संस्कारों और परंपराओं की दुहाई देकर दबा दिया जाता है। भारत अध्यात्मवाद की संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने वाला देश रहा है। अनेक परंपराएं और प्रथाएं यहां की संस्कृति का हिस्सा रही हैं। समाज के विकास के शुरूआती दौर में विवाह और परिवार जैसी संस्थाएं अस्तित्व में नहीं थीं। मानव सभ्यता के प्रारंभ के बाद स्थायी निवास और निजी संपत्ति की अवधारणा ने ही विवाह संस्था को जन्म दिया। इसलिए विवाह संस्था को मानव समाज की सार्वभौमिक व आधारभूत सामाजिक संस्था माना जाता है। आदिम समाज में विवाह के अनेक रूप प्रचलित थे, लेकिन मानव सभ्यता के विकास के साथ-साथ उनमें भी व्यापक बदलाव आते गए। पर आज इक्कीसवीं सदी में भी ऐसी वैवाहिक परंपराएं विद्यमान हैं जो महिलाओं की स्थिति में किसी भी प्रकार के बदलाव की संभावना को नकारती हैं। जैसे राजस्थान में आटा-साटा विवाह प्रथा (जिसे विनिमय विवाह भी कहा जाता है) या फिर नाता प्रथा (जिसे चादर डालना भी कहा जाता है) मौजूद है। आटा-साटा चलन के तहत जिस घर से एक लड़की बहू बना कर लाई जाती है उसी घर में अपनी लड़की बहू बना कर भेजनी पड़ती है। यानी लड़की के बदले लड़की का विनिमय किया जाता है। दूसरी तरफ नाता प्रथा में एक महिला को उसके पति की मृत्यु के उपरांत अथवा तलाक होने पर या वैवाहिक संबंधों में तनाव के कारण अथवा पति के बीमार होने पर किसी अन्य पुरुष को उसे बेच दिया जाता है। इस प्रथा में परिवार के पुरुष सदस्यों और जाति पंचायतों की अहम भूमिका होती है। भारतीय संविधान में लैंगिक समानता के मूल्य को स्थापित किया गया है। लेकिन विडंबना यह है कि भारतीय समाज में व्यावहारिक जीवन में यह समानता कभी मूर्त रूप ले ही नहीं पाई। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि यह कैसा सभ्य समाज है जहां आज भी ऐसी कुप्रथाएं और परंपराएं प्रचलित हैं जिनमें महिलाओं की इच्छाओं और अधिकारों का कोई मतलब नहीं रह जाता। समाज के धार्मिक आदर्शों और संस्कारों की दुहाई तब कहां चली जाती है जब समाज के पुरुष और पंच-सरपंच ही महिला को महज खरीद-फरोख्त की वस्तु बना देते हैं। हकीकत तो यह है कि इक्कीसवीं सदी में भी महिलाओं की स्थिति में कोई बहुत ज्यादा अंतर नहीं आया है। आज भी समाज की सोच महिला को वस्तु से अधिक कुछ नहीं मानने वाली ही है।

जबकि इसके विपरीत विचार रखने वालों का तर्क होता है कि आज महिला स्वतंत्र है, शिक्षित है, कामकाजी है, आत्मनिर्भर है (कुछ हद तक) इसलिए यह कहना कि महिलाओं की स्थिति में कोई खास अंतर नहीं आया, गलत है। परंतु इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि महिलाओं की स्वतंत्रता, शिक्षा, नौकरी में उनकी कितनी और कैसी मर्जी शामिल होती है। संविधान में दी गई स्वतंत्रता व समानता अगर सही अर्थों में मूर्त रूप ले पाई होती तो आज महिलाएं इस तरह आत्महत्या करने को बाध्य नहीं होतीं। हाल में आटा-साटा कुप्रथा के कारण राजस्थान के नागौर जिले के एक गांव में एक विवाहिता ने खुदकुशी कर ली। मरने से पहले लिखे पत्र में पीड़िता ने इस कुप्रथा को बंद करने की पहल करने का आग्रह किया। उसने लिखा- ह्यमेरे मरने की वजह वह समाज है जिसने आटा-साटा जैसी कुप्रथा को मान्यता दे रखी है। इसमें लड़कियों को जिंदा मौत मिलती है। इस प्रथा के कारण सत्रह साल की लड़की का विवाह सत्तर साल के व्यक्ति के साथ करने से भी गुरेज नहीं किया जाता।ह्य यह एक तथ्य है कि विवाह संबंधी मामलों में आज भी लड़कियों की इच्छा, पसंद या फैसले कोई मायने नहीं रखते। न ही उनकी शिक्षा मायने रखती है, न ही उम्र। इसलिए अनपढ़ या उम्रदराज पुरुष के साथ उनका विवाह कर देना भी सामान्य-सी बात है। फिर भी अगर समाज कहता है कि महिला और पुरुष में अब गैर-बराबरी नहीं है तो फिर लैंगिक भेदभाव की अवधारणा को पुन: परिभाषित करने की आवशयकता है। कुछ प्रबुद्धजन तर्क देते हैं कि लड़कियों की स्वतंत्रता और शिक्षा का ही परिणाम है कि आज समाज में तलाक की दर बढ़ी है, लड़कियां परिवार की मर्जी के विरुद्ध जाकर अंतरजातीय और अतंरधार्मिक विवाह करने लगी हैं, जिससे समाज में असंतुलन और अव्यवस्था पैदा हुई है। इसलिए इनका घर की चार दीवारी तक सिमट कर रहना ही सही था। और संभवत: इस सोच को मूर्त रूप देने के लिए ही आटा-साटा और नाता जैसी प्रथाएं आज भी जीवित हैं जिनके दुष्परिणामों पर न तो यह पुरुष समाज चर्चा करना पसंद करता है और न ही इस पर कोई प्रश्न उठाया जाता है। महिलाओं के पास अपने जीवन के विषय में निर्णय लेने का अधिकार और सम्मानपूर्ण जीवन जीने का अधिकार संरक्षित है। फिर भी खुलेआम उनके मानवधिकारों का उल्लंघन होता है। महिलाओं द्वारा उठाई गई विरोध की आवाज को संस्कारों और परंपराओं की दुहाई देकर दबा दिया जाता है। इसलिए यहां कुछ महत्त्वपूर्ण सवालों की चर्चा करना आवश्यक हो जाता है। जैसे- पुरुष तो अपने आप में पूर्ण है, पर महिला अपूर्ण क्यों? आखिर इस तरह की सोच का तार्किक आधार क्या है? महिला के भविष्य को पवित्रता के साथ संबद्ध किया जाता है और उसके समूचे भविष्य को विवाह से सुनिश्चित कर दिया जाता है। आखिर क्यों? पवित्रता का मूल्य केवल महिलाओं के साथ ही जोड़ कर क्यों देखा जाता है? समाज विज्ञानी जॉर्ज सीमेल तर्क देते हैं कि पुरुष व स्त्रियों की समानता की चर्चा करना ही आधुनिकता नहीं है, अपितु आधुनिकता को यौन-संबंधों, घरेलू गतिविधियों, मनो-भावनात्मक क्षेत्रों, श्रम विभाजन, संस्कृति, भाषा, पोशाक इत्यादि क्षेत्रों में तार्किक ढंग से प्रयुक्त करके ही प्राप्त किया जा सकता है।

महिला अपराध और प्रश्नांकित न्याय

भूपेन्द्र पटेल

आम धारणा है कि सख्त कानून अपराध को रोकने में प्रभावी भूमिका निभाएंगे। इसी के चलते बलात्कार निरोधक कानून बना और पॉक्सो कानून में संशोधन किया गया, पर ऐसे अपराधों में कोई कमी नहीं आई। सवाल है कि कानून में सख्त सजा के प्रावधान, शीघ्र न्याय के लिए त्वरित अदालतों की स्थापना, निर्भया कोष में प्रतिवर्ष धन आबंटन के बाद भी हालात बद से बदतर क्यों होते जा रहे हैं? दिल्ली में एक नौ साल की मासूम के साथ बलात्कार की घटना ने देश को फिर विचलित कर दिया है। श्मशान में पहले बलात्कार, फिर हत्या और वहीं अंत्येष्टि कर देने की यह घटना अत्यंत भयानक है। फिर वही सवाल उठने लगा है कि यह सब आखिर कब तक? इसी तरह मध्यप्रदेश के विदिशा में एक बारह साल की मासूम की बलात्कार के बाद हत्या कर शव को पेड़ पर टांग देने की घटना सामने आई है। ऐसी घटनाएं क्रूरतम स्वरूप में ही सामने आ रही हैं। अब यह समाज बच्चियों और महिलाओं के साथ होने वाली इन घटनाओं पर अधिक चर्चा इसलिए भी नहीं करता, क्योंकि ये खबरें सामान्य खबरों की तरह आम हो गई हैं। एक घटना को सुर्खियां मिलने पर विरोध की मुहिम चला दी जाती है और कुछ ही दिनों में सब भूल जाते हैं। अपराध की हर घटना अपने पीछे न्याय के सवाल छोड़ जाती है, फिर भी हम उनका उत्तर क्यों नहीं खोज पाते? केरल में सत्रह वर्षीय लड़की का अड़तीस लोगों द्वारा यौन उत्पीड़न का मामला हो या बदायूं, हाथरस में घटित घटना, सब उन्हीं प्रश्नों को उभारती हैं, जो 2012 में दिल्ली में निर्भया के साथ हुई दरिंदगी के बाद उठे थे। लगभग नौ साल पहले हुई उस घटना पर जनआक्रोश के बाद गठित जस्टिस जेएस वर्मा समिति की अनुशंसा पर बलात्कार निरोधक कानून बना था। साथ ही निर्भया कोष की स्थापना की गई। वर्ष 2019 में पॉक्सो कानून में संशोधन कर बारह वर्ष से कम उम्र के बच्चों के यौन शोषण पर सजा-ए-मौत का प्रावधान किया गया। ये वे वैधानिक प्रयास थे, जिनका लक्ष्य कठोर दंड के भय से अपराध को रोकना और अपराधियों को दंडित करना था। पर प्रश्न है कि क्या पिछले नौ सालों में इन कानूनों ने महिला अपराध को रोकने में सार्थक भूमिका निभाई है? यह सवाल इसलिए उठ रहा है कि निर्भया मामले के बाद महिला अपराध के आंकड़े लगातार बढ़े हैं। केंद्र सरकार ने 2015 से 2019 के बीच देश में बलात्कार के 1.71 लाख मामले दर्ज होने की जानकारी दी है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, भारत में वर्ष 2019 में हर दिन बलात्कार के अट्ठासी, यानी कुल 32,033 मामले दर्ज हुए। पिछले दस वर्षों में बलात्कार की घटनाएं चौवालीस फीसद बढ़ गई हैं। 2019 में आधे से अधिक मामले पांच राज्यों- राजस्थान, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और केरल के थे। ये वे मामले हैं जो पुलिस थानों में दर्ज कराए गए। सामाजिक प्रतिष्ठा या अन्य कारणों के डर से जो अपराध रिकॉर्ड में दर्ज नहीं कराए गए, वे अलग हैं। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य था, जिसने मंदसौर में स्कूली छात्रा के साथ हुए बलात्कार के बाद फांसी की सजा का प्रावधान किया था। मगर आज उसी मध्यप्रदेश में बारह वर्षीय मासूम से बलात्कार और उसकी हत्या के बाद उसका शव पेड़ पर टांग देने की घटना सामने आई है। पिछले साल कोरोना महामारी के दौर में भी अपराध के इस घृणित स्वरूप में कोई बदलाव नहीं आया। लगा था कि इस दौर में मानवता पुनर्जीवित हो उठेगी, पर पूर्णबंदी के समय भोपाल में नेत्रहीन महिला के साथ बलात्कार की घटना ने इस भ्रम को तोड़ दिया। उन्हीं दिनों झारखंड के दुमका में बंदी खुलने के बाद गांव लौट रही एक सोलह वर्षीय छात्रा से दस युवकों ने सामूहिक बलात्कार किया। उत्तर प्रदेश के शामली जिले में राशन देने आए दुकानदार ने महिला के साथ घर में घुस कर बलात्कार किया। नोएडा में आठ साल की मासूम बच्ची गंभीर हालत में सलारपुर गांव के पास झुग्गियों में मिली। एक लंबी फेहरिस्त है, जो बलात्कार की अनवरत घटनाओं को बयान करती और बताती है कि कानून बना देने से अपराध में कमी नहीं आती। आम धारणा है कि सख्त कानून अपराध को रोकने में प्रभावी भूमिका निभाएंगे। इसी के चलते बलात्कार निरोधक कानून बना और पॉक्सो कानून में संशोधन किया गया, पर ऐसे अपराधों में कोई कमी नहीं आई। सवाल है कि कानून में सख्त सजा के प्रावधान, शीघ्र न्याय के लिए त्वरित अदालतों की स्थापना, निर्भया कोष में प्रतिवर्ष धन आबंटन के बाद भी हालात बद से बदतर क्यों होते जा रहे हैं? बलात्कार के मामलों में सजा की दर अब भी मात्र 27.2 प्रतिशत है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार 2018 में बलात्कार के 1,56,327 मामलों में मुकदमे की सुनवाई हुई। इनमें से 17,313 मामलों में सुनवाई पूरी हुई और सिर्फ 4,708 दोषियों को सजा हुई। 11,133 मामलों में आरोपी बरी किए गए, जबकि 1,472 मामलों में आरोपियों को आरोपमुक्त किया गया। किसी मामले में आरोपमुक्त तब किया जाता है जब आरोप तय न हों। वहीं आरोपियों को बरी तब किया जाता है जब मुकदमे की सुनवाई पूरी हो जाती है। खास बात यह है कि 2018 में बलात्कार के 1,38,642 मामले लंबित थे। बलात्कार के मामलों में सजा की दर 2018 में पिछले साल के मुकाबले घटी। 2017 में सजा की दर 32.2 प्रतिशत थी। आरोपी कानून की कमजोरियों का लाभ उठाते हैं, जिससे नागरिक समाज का न्याय व्यवस्था से विश्वास उठता नजर आ रहा है। न्याय व्यवस्था न्यायाधीशों के रिक्त पदों के संकट से जूझ रही है, न्यायपालिकाओं पर मुकदमों का बोझ निरंतर बढ़ रहा है, न्याय की गति धीमी बनी हुई है, ऐसे में आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों का मनोबल बढ़ता है। बलात्कार निरोधक कानून में ऐसे मामलों की सुनवाई त्वरित अदालतों में करने का प्रावधान है। इसके लिए एक हजार तेईस विशेष त्वरित अदालतों की जरूरत है। विधि मंत्रालय के न्याय विभाग ने इस पर 767.25 करोड़ रुपए के व्यय का अनुमान लगाया है। जब तक ये विशेष अदालतें आकार नहीं ले लेतीं और परिणाम कानून में निहित प्रावधानों के तहत आने शुरू नहीं हो जाते, तब तक इस कानून की सार्थकता सिद्ध नहीं हो सकेगी। विधि आयोग की एक रिपोर्ट में सिफारिश की गई थी कि प्रति दस लाख जनसंख्या पर न्यायाधीशों की संख्या तकरीबन पचास होनी चाहिए। यानी पदों की संख्या बढ़ा कर तीन गुना करनी होगी। आबादी के ताजा आंकड़ों के हिसाब से देश में पैंसठ हजार अधीनस्थ न्यायालयों की आवश्यकता है, लेकिन इस वक्त पंद्रह हजार न्यायालय भी नहीं हैं। त्वरित अदालतों के गठन के साथ न्यायपालिकाओं में रिक्त पदों को भरना भी आवश्यक है।

डिजिटल मीडिया से जुड़े नए IT नियमों पर बॉम्बे HC ने लगाई रोक

बताया अभिव्यक्ति की आजादी का उल्लंघन

मुंबई, बॉम्बे हाई कोर्ट ने डिजिटल मीडिया के लिए नैतिकता संहिता (code of ethics) के पालन से जुड़े नए आईटी नियमों, 2021 की धारा 9 (1) और 9 (3) के क्रियान्वयन पर शनिवार को अंतरिम रोक लगा दी।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जी एस कुलकर्णी की पीठ ने कहा कि नैतिकता संहिता का इस तरह का अनिवार्य पालन याचिकाकर्ताओं को संविधान के आर्टिकल 19 के तहत मिले अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन है। पीठ ने यह भी कहा कि धारा 9 खुद ही सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के दायरे से बाहर जाता है।

हाई कोर्ट ने आदेश पर रोक लगाने के केंद्र सरकार के अनुरोध को भी खारिज कर दिया।

दरअसल, केंद्र ने अपील दायर करने के लिए आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध किया था।

हालांकि, अदालत ने आईटी नियमों की धारा 14 और 16 पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया, जो एक अंतर-मंत्रालयी समिति के गठन और ऐसी परिस्थिति में कंटेंट पर रोक लगाने से जुड़ी है।

न्यूज पोर्टल ने दी थी चुनौती

कानूनी विषयों के न्यूज पोर्टल 'द लीफलेट' और पत्रकार निखिल वागले ने याचिकाएं दायर कर नए नियमों को चुनौती दी थी। उन्होंने कहा था कि संविधान की ओर से नागरिकों को दी गई अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार पर इनका गंभीर प्रभाव पड़ने की संभावना है।

केंद्र की दलील- फर्जी खबरों पर लगाम के लिए लाए नए नियम

गौरतलब है कि शुक्रवार को पीठ ने केंद्र सरकार से सवाल किया था कि 2009 में प्रभावी हुए मौजूदा आईटी नियमों को निष्प्रभावी किए बगैर हाल में अधिसूचित सूचना प्रौद्योगिकी नियमों, 2021 को लाने की क्या जरूरत थी।

केंद्र की ओर से पेश हुए अतिरिक्ति सॉलीसीटर जनरल अनिल सिंह ने दलील दी थी कि फर्जी खबरों के प्रसार पर रोक लगाने के लिए नए नियमों को लाने की जरूरत पड़ी।

उद्धव ठाकरे के निजी सचिव मिलिंद नार्वेकर को मिली धमकी, मामला दर्ज

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के निजी सचिव मिलिंद नार्वेकर को व्हाट्सऐप के जरिये धमकी मिलने का मामला सामने आया है। जिसने मांग पूरी ना करने पर उन्हें केंद्रीय जांच एजेंसियों द्वारा फंसाने की बात कही गयी है।

मुंबई, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के निजी सचिव मिलिंद नार्वेकर ने पुलिस में शिकायत की है कि उन्हें सोशल मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर धमकी मिली है। एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि नार्वेकर के मुताबिक धमकी में कहा गया है कि यदि वह कुछ मांगों को पूरा नहीं करेंगे तो केंद्रीय जांच एजेंसियां उनके पीछे पड़ जाएंगी। मुंबई पुलिस आयुक्त हेमंत नगराले को इस बाबत लिखित शिकायत दी है। उन्होंने बताया, 'इसके आधार पर अपराध शाखा ने मामले की जांच शुरू की है और संदिग्ध की तलाश की जा रही है।' शिकायत में नार्वेकर ने कहा है कि उन्हें किसी अज्ञात व्यक्ति के नंबर से व्हाट्सऐप पर संदेश मिला जिसमें धमकी दी गई थी कि वे कुछ मांगों को पूरा नहीं करेंगे तो केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) तथा अन्य केंद्रीय एजेंसियां उनके खिलाफ कार्रवाई करेंगी।

जल्दी रिजल्ट नहीं निकला तो उड़ा देंगे मुंबई यूनिवर्सिटी'

धमकी भरे मेल भेजने वाले स्टूडेंट को चेतावनी देकर छोड़ा

मुंबई, मुंबई के कलिना स्थित मुंबई विश्वविद्यालय परिसर को उड़ाने की धमकी भरे ईमेल आने के बाद हड़कंप मच गया। पुलिस ने मेल भेजने वाले एक छात्र को पकड़ लिया गया और बाद में चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। पुलिस ने शनिवार को कहा कि छात्र ने इन ईमेल में बीए, बी.कॉम और बीएससी के रिजल्ट जल्दी घोषित नहीं किए जाने पर विश्वविद्यालय परिसर को उड़ाने की धमकी दी थी। एक अधिकारी ने बताया कि एमयू के अधिकारियों ने 9 और 10 जुलाई को भेजे गए इन मेल के बारे में बीकेसी पुलिस थाने से संपर्क करने के बाद जांच शुरू की गई। आईपी एड्रेस से छात्र तक पहुंची पुलिस अधिकारी ने कहा, 'हमने उस आईपी एड्रेस का पता लगाया जिससे मेल भेजे गए थे और उस छात्र को पकड़ा जो इसमें शामिल था। चूंकि मेल एक शरारत का हिस्सा थे और कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया और इस बात पर भी गौर करने पर कि इसका असर उसके शैक्षणिक करियर पर पड़ सकता है, हमने उसे चेतावनी देकर छोड़ दिया।'

चार केंद्रीय मंत्री निकालेंगे जन आशीर्वाद यात्रा,बीजेपी ने की चुनावों की तैयारी

मुंबई, आगामी स्थानीय निकाय के चुनावों की तैयारियों को लेकर बीजेपी 16 अगस्त से 'जन आशीर्वाद यात्रा' निकालेंगी, जो 25 अगस्त तक चलेगी। यात्रा के दौरान 2274 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी। यात्रा की शुरुआत स्वर्गीय गोपीनाथ मुंडे के गढ़ रहे बीड से केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री डॉ भागवत कराड करेंगे शुक्रवार को जन आशीर्वाद यात्रा के प्रमुख संजय केलकर ने बताया कि 16 अगस्त से केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री डॉ भागवत कराड यात्रा की शुरुआत करेंगे। उनकी यात्रा 7 लोकसभा चुनाव क्षेत्र के बीड, हिंगोली, परभणी, जालना और औरंगाबाद जिले से होकर गुजरेगी। 623 किलोमीटर की यात्रा होगी यात्रा 16 से 21 अगस्त के बीच 623 किलोमीटर की यात्रा तय करेंगे। यात्रा के दौरान 150 स्थानों पर रुकेंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री डॉ. भारती पवार 16 से 20 अगस्त तक पालघर, नासिक, धुलिया और नंदुरबार इन पांच जिलों में यात्रा करेंगे। यह 431 किलोमीटर की होगी। केंद्रीय पंचायत राज राज्य मंत्री कपिल पाटील 16 से 20 अगस्त तक ठाणे और रायगड जिले में 570 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे, जबकि केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग मंत्री नारायण राणे की यात्रा 19 से 25 अगस्त के बीच होगी। राणे की यात्रा 19 अगस्त को मुंबई से शुरू होगी, जो वसई-विरार मनपा क्षेत्र, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिले तक 650 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे।

मुंबई के वर्सोवा वेटलैंड पर खड़ी अवैध इमारतों पर BMC सख्त, तीन कर्मचारी हुए सस्पेंड

मुंबई, देश की आर्थिक राजधानी और मायानगरी मुंबई में हर इंसान का अपना एक आशियाना बनाना चाहता है। यहाँ की मिट्टी भी सोने के भाव में बिकती है। इसलिए यहाँ एक-एक इंच जमीन की कीमत आसमान छूती है। मुंबई की जमीन की कीमत को समझते हुए मुंबई में कई सरकारी और समंदर किनारे की जगहों पर माफियाओं ने अतिक्रमण कर उन्हें बेचना शुरू कर दिया है। यह सिलसिला दशकों से बदस्तूर जारी है। इससे संबंधित शिकायतों पर बीएमसी का अतिक्रमण रोधी दस्ता ऐसी जगहों पर बने अवैध निर्माण को ध्वस्त करने की कार्रवाई अक्सर करता रहता है। कई बार ऐसी कार्रवाइयां महज एक खानापूर्ति भी साबित होती हैं। छवि धूमिल करने के आरोप में निलंबन हाल में बीएमसी के-वेस्ट वार्ड अधिकारी पृथ्वीराज चव्हाण ने महानगरपालिका की छवि को धूमिल करने के आरोप में तीन अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। यह निलंबन की यह कार्रवाई दो दिन पहले हुई है। टाइम्स नाउ नवभारत चैनल के एक स्टिंग ऑपरेशन में तीनों अधिकारियों ने बीएमसी की इमेज को मलिन करने वाली बातें कहीं थी। जिसके बाद तीनों अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। उसके बाद निलंबन की यह कार्रवाई हुई है। निलंबन कार्रवाई की पुष्टि वार्ड ऑफिसर पृथ्वीराज चव्हाण ने एनबीटी ऑनलाइन से की है। जिस मामले में यह कार्रवाई हुई है, वह मामला मुंबई के वर्सोवा वेटलैंड से जुड़ा हुआ है। दरअसल एक अलर्ट मुंबईकर नाम की एक एनजीओ यहाँ बने अवैध निर्माण की शिकायत कर बीएमसी से लगातार कार्रवाई की मांग कर रही थी। संस्था के अध्यक्ष इफ्तिखार शाह के मुताबिक वर्सोवा के वेटलैंड इलाके में हुए अवैध निर्माण की शिकायत पिछले कई महीनों से अलर्ट मुंबईकर एनजीओ कर रही थी लेकिन बीएमसी और पर्यावरण के अधिकारी इन शिकायतों को नजरअंदाज कर रहे थे। स्टिंग के बाद हुई हुई कार्रवाई इस अवैध निर्माण को लेकर जब एक स्टिंग वीडियो सामने आया जिसमें 3 बीएमसी अधिकारी और वेट लैंड पर अवैध इमारतें बनाने वाले ठेकेदार की मिलीभगत सामने आने के बाद बीएमसी कमिश्नर इक़बाल सिंह चहल ने जांच के आदेश दिए। जिसके बाद तीन बीएमसी के अधिकारियों का निलंबन कर दिया गया है। क्या होता है वेटलैंड वेटलैंड दलदल या आद्र जमीन होती है जो पूरे साल पानी से भरी रहती है। इस जमीन पर निर्माण करने की मनाही होती है। इस जमीन पर निर्माण से इमारतों और उसमें रहने वाले लोगों को नुकसान पहुंचने का खतरा हमेशा बना रहता है। वेटलैंड पर निर्माण अपराध की श्रेणी में आता है।

अपराधियों और नशेड़ियों के खिलाफ RPF का नया दांव, अब ड्रोन से होगी रेल पटरियों की हिफाजत

मुंबई, मध्य रेलवे ने अब अपने रेलवे ट्रैक को और भी ज्यादा सुरक्षित बनाने का फैसला किया है। इसके तहत अब रेल पटरियों की निगरानी न सिर्फ आरपीएफ (RPF) के जवान करेंगे, बल्कि इसकी निगरानी में ड्रोन का भी पूरा इस्तेमाल किया जाएगा। ड्रोन के जरिए जहां एक तरफ रेल की पटरियों पर होने वाली आपराधिक घटनाओं पर लगाम लगेगी, तो वहीं दूसरी तरफ रेलवे ट्रैक को पार कर अपनी जान को जोखिम में डालने वाले लोगों पर भी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। स्वतंत्रता दिवस पर खास तैयारियां स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर किसी अप्रिय घटना को होने से रोकने के लिए रेल सुरक्षा बल ने भी कमर कस ली है। मध्य रेल के वरिष्ठ आरपीएफ अधिकारी जितेंद्र श्रीवास्तव ने एनबीटी ऑनलाइन को बताया कि आजादी के पर्व को आतंकियों और अपराधियों के साये से दूर रखने के लिए हम ड्रोन का इस्तेमाल रेलवे ट्रैक और रेल टनल के आसपास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह कोई पहली बार नहीं है जब ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। हम इसके पहले भी ड्रोन का प्रयोग करते रहे हैं। हालांकि फिलहाल अलर्ट को देखते हुए इसका ज्यादा प्रयोग किया जा रहा है। पटरियां क्रॉस करने वालों पर नज़र इस ड्रोन का इस्तेमाल आरपीएफ रेल पटरियों के आसपास रहने वाले नशेड़ियों को रोकने के लिए करेगी। इसके अलावा जिन जगहों पर रेलवे ट्रैक क्रॉस करने की नियमित शिकायतें आती हैं वहां पर भी ड्रोन की पैनी नज़र रहेगी। आरपीएफ उन जगहों को चिन्हित कर उन्हें बंद करेगी, जिससे जख्मी होने वाले यात्रियों को बचाया जा सकेगा। फिलहाल ठाणे से कल्याण स्टेशन के बीच और इर्दगिर्द में ड्रोन उड़ाएंगे जाएंगे। आरपीएफ के मददगार बनेंगे ड्रोन मौजूदा हालात में देश के ज्यादातर सरकारी विभाग कर्मचारियों की किल्लत का सामना कर रहे हैं। इस समस्या से रेलवे सुरक्षा बल विभाग भी अछूता नहीं है। कई बार यह समस्या और भी ज्यादा विकट हो जाती है। ऐसे में यह ड्रोन आरपीएफ के लिए काफी मददगार साबित होंगे। कई जगहों पर आरपीएफ के जवानों के पहले यह ड्रोन पहुंचकर उन्हें घटनास्थल की वास्तविक लोकेशन, अपराधियों की संख्या और अन्य जानकारियां मुहैया करवा सकेंगे। जिसके जरिए आरपीएफ आसानी से अपराधियों और नशेड़ियों पर अंकुश लगा सकेगी।

नितिन गडकरी ने उद्धव ठाकरे को लिखा पत्र, खत में शिवसैनिकों पर लगाम लगाने की अपील

मुंबई, बीजेपी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने उद्धव ठाकरे से शिवसैनिकों को काबू में करने का अनुरोध किया है। दरअसल गडकरी का यह पत्र विदर्भ के वाशिम जिले में चल रहे नेशनल हाईवे के काम के संबंध में है। नितिन गडकरी का पत्र गडकरी ने अपने पत्र में लिखा है कि स्थानीय शिवसेना विधायक और सांसद की वजह से नेशनल हाईवे के काम में रुकावट डाली जा रही है। जिसकी वजह से यह काम समय पर पूरा नहीं हो पा रहा है। फिलहाल वाशिम में नैशनल हाईवे का काम रुका हुआ है। पत्र में इस बात का भी जिक्र किया है कि शिवसेना के कार्यकर्ता कॉन्टैक्टर को डरा धमका कर काम रोकने के लिए मजबूर कर रहे हैं। अगर इसी प्रकार से चलता रहा तो यह काम आगे नहीं बढ़ पाएगा। नितिन गडकरी का पत्र किरीट सोमैया ने साधा भावना गवली पर निशाना नितिन गडकरी के पत्र के बाद बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने महाराष्ट्र के वाशिम जिले की शिवसेना सांसद भावना गवली और उनके सहयोगियों के खिलाफ मोर्चा खोला दिया है। सोमैया के मुताबिक वाशिम जिले में शिवसेना सांसद ने 100 करोड़ का हाईवे कॉन्ट्रैक्ट घोटाला किया है।

सोमैया करेंगे वाशिम दौरा सोमैया ने कहा कि इस बात की जानकारी नितिन गडकरी के उद्धव ठाकरे को लिखे पत्र में जाहिर हुई है। इस घोटाले को लेकर एक जनहित याचिका भी दायर की गई है। अब सोमैया खुद 20 अगस्त को वाशिम में इसके घोटाले की अधिक जानकारी के लिए जाने वाले हैं।

मुंबई की सड़कों पर सोना लूटने वाला गैंग गिरफ्तार, 50 लाख का गोल्ड जब्त

इसी साल 19 जुलाई को मुंबई के अंधेरी हाइवे से बेस्ट की बस से एक जूलर से 50 लाख का सोना लूटने वाले गिरोह के सात सदस्यों को अंधेरी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्त में आये सात आरोपियो में से 6 आरोपी मुंबई और एक आरोपी राजस्थान का रहने वाला है। आरोपी एक ज्वेलर्स से एक किलो सोना लूटकर फरार हो गये थे। जिसके बाद इस पुरी वारदात को लेकर अंधेरी पुलिस स्टेशन में एक किलो सोना की चोरी का मामला दर्ज किया गया था। पुलिस के मुतबिक चोरी हुए एक किलो सोने की कुल कीमत 50 लाख के करीब है। गिरोह की मोड्स ऑपरेंडी के बारे में पुलिस ने बताया कि गिरोह के सभी सदस्य पहले से ही अपने शिकार को दूर से ही पहचान लेते थे और योजनाबद्ध तरीके से वारदात को अंजाम देते थे। जैसे कि शिकार से बैग छीनने का काम कौन करेगा,फिर जिसका सामान चोरी या छीना गया है,जब वो शख्श या व्यपारी शोर करने की कोशिश करेगा ,तो इसी गिरोह का कौन सदस्य पीडित का साथ देगा। इतना ही नहीं आम नागरिकों की भीड़ की बजाय यह गिरोह अपने ही सभी सदस्यों को पीड़ित के साथ खड़े होकर भीड़ का हिस्सा भी बनने की योजना भी इस गिरोह की होती थी

उचित समय के भीतर एमएलसी सीटों पर निर्णय लेना राज्यपाल का संवैधानिक दायित्व: उच्च न्यायालय

मुंबई, राज्य ब्यूरो। मुंबई उच्च न्यायालय ने कहा कि विधान परिषद सदस्यों को नामित करने के लिए मंत्रिमंडल द्वारा भेजे गए नामों को उचित समय के भीतर स्वीकार या अस्वीकार करना राज्यपाल का संवैधानिक दायित्व है। अदालत ने कहा कि विधान परिषद की सीटों को अनिश्चित काल तक खाली नहीं रखा जा सकता। मुंबई उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने यह बात एक जनहित याचिका पर फैसला सुनाते हुए कही। मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता व न्यायमूर्ति जीएस कुलकर्णी की खंडपीठ ने कहा कि मंत्रिमंडल द्वारा राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को विधान परिषद में नामित करने के लिए 12 लोगों की सूची भेजे हुए आठ महीने हो चुके हैं। हालांकि एक राज्यपाल अदालत के प्रति जवाबदेह नहीं है, लेकिन हम उम्मीद और विश्वास करते हैं कि संवैधानिक दायित्व पूरा हो और चीजें जल्द से जल्द ठीक हो जाएं।

अदालत ने कहा कि एक कहावत है कि हर चीज के पीछे कोई कारण होता है। यदि इस कहावत पर विश्वास किया जाए तो इस प्रस्ताव पर अब तक कुछ नहीं कहने का भी कोई कारण हो सकता है। यदि ऐसा है तो राज्यपाल का यह कर्तव्य भी है कि वह मुख्यमंत्री से बात करके उन्हें उन कारणों से अवगत कराएं, ताकि विधान परिषद की 12 सीटों के नामांकन पर जल्द फैसला हो सके। क्योंकि विधान परिषद की इन सीटों को अनिश्चित काल तक खाली नहीं रखा जा सकता। यह जनहित याचिका नासिक निवासी रतन सोली लूथ द्वारा दायर की गई थी। याचिका में राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को करीब आठ महीने पहले मंत्रिमंडल द्वारा तय कर विधान परिषद में नामांकन के लिए भेजे गए 12 नामों पर फैसला करने का निर्देश देने की अपील की गई थी। इसी याचिका पर फैसला सुनाते हुए उच्च न्यायालय ने कहा कि वह राज्यपाल को निर्देश नहीं दे सकते, लेकिन यह भी कहा कि मेरे हिसाब से आठ महीने पर्याप्त समय होता है। यह जरूरी है कि इस मामले में बिना देरी किए राज्यपाल के दायित्वों का निर्वहन किया जाना चाहिए। पिछले वर्ष छह नवंबर को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की तरफ से महाविकास अघाड़ी के तीनों दलों की ओर से चार-चार नाम विधान परिषद में नामित करने के लिए राज्यपाल को भेजे थे। ये नामांकन संविधान की धारा 171(5) के तहत साहित्य, कला, संस्कृति, सहकारिता आदि क्षेत्रों में विशेष कार्य करने वाले लोगों के होने हैं, लेकिन पिछले आठ महीनों से राज्यपाल की ओर से इस सूची पर कोई फैसला नहीं किया गया है। जिसे लेकर कई बार सत्ता पक्ष की ओर से राज्यपाल पर तीखी टिप्पणियां भी की जा चुकी हैं।

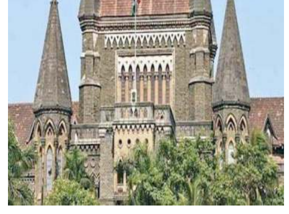

माइग्रेन के दर्द को ठीक करने में कारगर हैं ये तीन योगासन, जानें कैसे करें

मनोज जोशी

योग करने के एक नहीं कई फायदे हैं। आप अपनी परेशानियों के मुताबिक योगासन कर सकते हैं। आप कोई भी योगासन करें, लेकिन कुछ फायदे ऐसे हैं, जो आपको मिलने ही मिलने है।

जैसे, नेचुरल ग्लोइंग स्किन, तनाव से मुक्ति और अच्छी नींद। आप किसी भी उम्र क्यों न हो, योग शुरू कर सकते हैं। 21 जून को विश्व योग दिवस है। आप चाहें, तो इस दिन से योग को अपने जीवन का अहम हिस्सा बना सकते हैं। आज हम आपको शुरूआत के ऐसे तीन आसान योगासन बता रहे हैं, जिन्हें करने से माइग्रेन जैसे दर्द से भी राहत मिलती है।

पद्मासन

स्टेप 1. जमीन पर एक क्रॉस-लेग्ड स्थिति में बैठें (पैर एक दूसरे के ऊपर टिके हुए) रीढ़ की हड्डी सीधी रखते हुए।

स्टेप 2. अपने दोनों हाथों को ज्ञान मुद्रा में लाएं (अपने अंगूठे के सिर और तर्जनी को मिलाकर एक छोटा गोला बनाएं) और उन्हें अपने घुटनों पर रखें।

स्टेप 3. इस मुद्रा में कुछ मिनट के लिए सांस अंदर-बाहर करें। इस आसन को दूसरे पैर से ऊपर की ओर करके दोहराएं।

बालासन

स्टेप 1. योग चटाई पर अपने पैरों के आधार को छत की ओर रखते हुए घुटने टेकें। आपके हाथों को आपकी तरफ रखा जाना चाहिए।

स्टेप 2. अपने पैर की उंगलियों को एक साथ रखें और घुटनों को एक दूसरे से थोड़ा अलग रखें।

स्टेप 3. सांस छोड़ें और उसी समय अपने धड़ को आगे की ओर ले जाएं, अपने पेट को अपनी जांघों पर टिकाएं।

स्टेप
4. आपका सिर चटाई को छूना चाहिए। अब अपने दोनों हाथों को चटाई को छूने के लिए अपने सामने फैलाएं।

स्टेप 5.4-5 सांसों के लिए रुकें और फिर प्रारंभिक स्थिति में आ जाएं।

शवासन

स्टेप 1. अपनी पीठ के बल आराम से लेट जाएं और अपनी आंखें बंद कर लें।

स्टेप 2. आपके हाथ और पैर एक दूसरे से अलग और आराम की मुद्रा में होने चाहिए।

स्टेप 3. नासिका छिद्र से धीरे-धीरे सांस लें और अपने पैर की उंगलियों से शुरू होकर अपने शरीर के हर हिस्से पर ध्यान आकर्षित करें।

स्टेप 4. सांस छोड़ें और आराम करें।

योग से माइग्रेन का इलाज

माइग्रेन का कोई अचूक इलाज नहीं है. आप केवल दवाओं पर भरोसा कर सकते हैं और लक्षणों को कम करने के लिए कुछ हेल्दी लाइफस्टाइल में बदलाव कर सकते हैं। माइग्रेन अक्सर अलग-अलग चीजों से शुरू होता है और तनाव उनमें से एक है। योग का अभ्यास स्ट्रेस लेवल को मैनेज करने में मदद करता है, जिससे लक्षणों में कमी आती है।

वेट लॉस प्लान हो जाएगा बेकार, अगर इन बातों का नहीं रखेंगे ध्यान

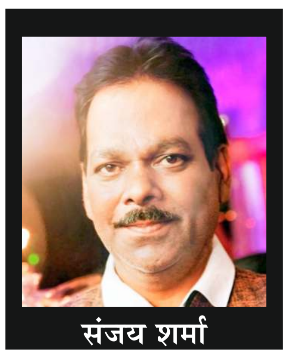
संजय शर्मा

कई बार हम रोजमर्रा की जिंदगी में इतने घिर जाते हैं कि अपनी फिटनेस पर भी ध्यान नहीं दे पाते। हम पतले हो रहे हैं या मोटे, इस बात पर ध्यान ही नहीं जाता और जब ध्यान जाता है तो बहुत देर हो चुकी होती है। आप तमाम

कोशिशों के बावजूद व्यायाम नहीं कर पाते, तो दूसरे उपाय अपना सकते हैं- मॉर्निंग वॉक करें अगर आप सुबह-सुबह व्यायाम नहीं कर पाते हैं, तो शुरुआत हल्के-फुल्के व्यायाम से करें। इसके लिए मॉर्निंग वॉक करना यानी सुबह सैर करना बहुत अच्छा होगा। ध्यान रखें कि पैदल चलने से आपका ब्लड सर्कुलेशन ठीक होता है और अंगों को हिलाने-डुलाने से धीरे-धीरे चर्बी घटती है। अगर आप शुरू में ज्यादा नहीं चल पाते हैं, तो कम-से-कम 20 मिनट या आधा घंटा चलने से शुरुआत करें और फिर धीरे-धीरे समय बढ़ाते जाएं। इससे धीरे-धीरे चर्बी कम होने लगेगी।

सीढ़ियों का प्रयोग करें

अगर आप व्यायाम नहीं करते हैं, तो आपके लिए सबसे बेहतर उपाय यह है कि आप सीढ़ियों का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करें। सीढ़ियों से चढ़ना और उतरना सबसे बेहतर व्यायाम है। अगर आप रोज व्यायाम नहीं कर पाते, तो सीढ़ियों से चढ़ने और उतरने का काम अपनी आदत में डाल लें। यह ऐसा व्यायाम है, जिसके लिए आपको अलग से कोई तैयारी नहीं करनी है। बस आपको घर आते-जाते और ऑफिस में आने-जाने के लिए सीढ़ियों का उपयोग करना है।

दफ्तर में रखें ध्यान

अगर आप कार से ऑफिस जाते हैं, तो अपनी गाड़ी ऑफिस से थोड़ी दूर पार्क करें, जिससे कि गाड़ी तक आने-जाने के दौरान आप थोड़ा पैदल चल लें। इसके अलावा छोटे-मोटे कामों के लिए नजदीक के बाजार जाना हो, तो पैदल ही निकल पड़ें। सबसे जरूरी यह है कि लंच करने के बाद तुरंत कुर्सी पर बैठकर काम न शुरू करें, 10-15 मिनट की वॉक जरूर करें।

देर से बोलना क्यों शुरू करते हैं कुछ बच्चे? ये टिप्स करेंगे आपकी मदद

हर माता-पिता का सपना होता है कि उनका बचपन सबसे पहले उन्हें मां-पापा कहकर पुकारे लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि कुछ बच्चे अपनी उम्र में आकर भी बोलना शुरू नहीं करते। ऐसे में उनके माता-पिता को चिंता होने लगती है कि उनका बच्चा आखिर बोल क्यों नहीं पाता और उनके मन में कई सवाल भी आते हैं।

क्यों देर से बोलते हैं बच्चे

जो बच्चे जन्म के बाद देर से रोना आरंभ करते हैं, वे बोलना भी देर से आरंभ करते है अर्थात जो शिशु जन्म के समय खुलकर न रोए या उसे रुलाने के लिए कोई उपचार करना पड़े, तो ऐसे बच्चे अक्सर देर से बोलना सीखते हैं। इसके अतिरिक्त गर्भावस्था के समय मां के जॉन्डिस से ग्रस्त होने अथवा नॉर्मल डिलीवरी के समय बच्चे के मस्तिष्क की बांई ओर चोट लग जाने की वजह से भी बच्चे की सुनने की शक्ति क्षीण हो जाती है।

सुनने तथा बोलने का गहरा संबंध है। जो बच्चा ठीक से सुन नहीं पाता वह बोलना भी आरंभ नहीं करता। लगभग छह महीने का बच्चा 17 प्रकार की विभिन्न ध्वनियों को पहचानने की क्षमता रखता है और यही ध्वनियां आगे चलकर विभिन्न भाषाओं का आधार बनती है।

ये उपाय करेंगे मदद

आपके बच्चे द्वारा बनाई जा रही आवाज को आप दोहरा सकते हैं। एक दूसरे की नकल करने का यह खेल आपके बच्चे को बोलने के लिए प्रोत्साहित करेगा। जब वह आपको कॉपी करना शुरू करता है, तो आप उसे नए शब्दों को सिखाने के लिए उपयोग कर सकते हैं। यह आपके बच्चे को तेजी से बात करने में मदद करेगा। अगर आपका बच्चा थोड़ी बहुत बात करने लगा है, तो उसके लिए उस वाक्य को पूरा करें। वह थोड़ा बोलेगा और आप उसके साथ पूरा बोलेंगे। इस तरह से आपका बच्चा धीरे-धीरे बोलना सीख जाएगा। इसके अलावा म्यूजिक आपके बच्चे के दिमाग की कोशिकाओं को उत्तेजित करती है। बच्चे अक्सर गाना सुनकर सिर हिलाते हैं। ऐसे में आप बच्चे के लिए कोई भी गाना गुनगुना सकते हैं।

बच्चों को बेहतर इंसान बनाने के लिए बचपन में जरूर सिखाएं ये 6 बातें

बच्चों के विषय में नेल्सन मंडेला का कहना था कि 'किसी बच्चे को अच्छे से संभालने के अलावा समाज में कोई काम नहीं हो सकता' ऐसे में अगर आप अपनी पीढ़ी को सफल बनाना चाहते हैं, तो आपको बचपन से उनके व्यक्तित्व पर काम करना होगा। बच्चों को किसी भी समाज का भविष्य कहा जाता है इसलिए आपको उनके व्यक्तित्व को निखारने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए-

हार को स्वीकारने की हिम्मत

कुछ लोगों को ये बात अटपटी लग सकती है। भला इस गला-काट प्रतियोगिता के दौर में कोई अपने बच्चे को हारने की सीख क्यों देगा। हर मां-बाप अपने बच्चे को परफेक्ट होने के लिए प्रेरित करते हैं। पर यह कोशिश कई बार बच्चों पर बैहद नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। बच्चा परफेक्ट बनने के चक्कर में बेहद घबराया और तनावग्रस्त रहने लगता है। कई बार छोटी सी भी असफलता सहने की ताकत उसमें नहीं बचती और अपने सपनों को सच करने के लिए संघर्ष करने से पहले ही वह हथियार डाल देता है।

जानवरों से प्यार करना सिखाएं

शोर्ध में ये बात सामने आई है कि जानवरों के प्रति प्रेम रखने वाले बच्चे बेहतर तरीके से विकास कर सकते हैं। साथ ही समाज के प्रति वो काफी संवेदनशील होते हैं इसलिए अपने बच्चों को जानवरों से हिंसा करना नहीं बल्कि उनसे प्रेम करना सिखाएं।

क्रिएटिविटी का विकास

बच्चा के जन्म के साथ ही माता-पिता उसे डॉक्टर, इंजीनियर, आईएस ऑफिसर वगैरा-वगैरा बनाने के सपने देखने लगते हैं। दुनियादारी सीख रहे बच्चों को सपनों पर उसके मां-बाप के सपने इतने हावी हो जाते हैं कि वह भी जान नहीं पाता कि उसने खुद सपने देखने कब छोड़ दिए। रचनात्मकता का मतलब होता है कुछ ऐसा रचना जो पहले मौजूद नहीं था। यह रचना किसी भी क्षेत्र में हो सकती है, मसलन कला, साहित्य, विज्ञान, खेल कुछ भी। पर रचनात्मकता की पहली शर्त है आजाद कल्पना।

असमानताओं का सम्मान

छोटे बच्चों को खेलते हुए देखें, वे कैसे आपस में आसानी से घुल-मिल जाते हैं। उनके लिए धर्म, संस्कृति, नस्ल, जाति, अमीर-गरीब होने आदि की असमानताएं मायने नहीं रखती पर धीरे-धीरे उन्हें हम आदमी-आदमी में फर्क करना सिखा देते हैं। जबकि वैज्ञानिकों का भी कहना है कि हमारे 99 प्रतिशत डीएनए समान होते हैं। अगर हम अपने बच्चों को इस 1 प्रतिशत असमानता को सम्मान करना सीखा दें, तो यह दुनिया जीने के लिए एक बेहतरीन जगह बन सकती है। क्योंकि यह असमानताएं ही है युद्ध, दंगे आदि मानवीय त्रासदियों को जन्म देती हैं।

हम धरती से अलग नहीं हैं

हम धरती से बने हैं और धरती हमसे है- अगर यह सीख हम अपने बच्चों को दें पाए तो इस ग्रह पर सुकून लौटने की उम्मीद कर सकते हैं। धरती को अपना समझने का अर्थ है इससे जुड़ी हर एक चीज को अपना समझना। जंगल, पहाड़, रेगिस्तान, पेंड़-पौधे, पशु-पक्षी हर किसी को इस धरती का उतना ही मालिक समझना जितना हम खुद को समझते हैं।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : सप्ताह का प्रारंभ किसी यात्रा से हो सकता है। बहुत दिनों से जो काम टल रहे थे, वे गति पकड़ने वाले हैं। कार्य की अधिकता जरूर रहेगी लेकिन सारे कार्य हो जाएंगे। नौकरीपेशा को भागदौड़ रहेगी, कारोबारियों को लाभ की स्थिति बनेगी। रिश्तों में मिठास बनी रहेगी। इस राशि के कुछ लोगों को नए प्रेम प्रस्ताव मिलेंगे।

वृषभ : पारिवारिक रिश्तों को लेकर थोड़े सतर्क रहें। लोगों की आपसे काफी अपेक्षाएं हैं इसलिए उन्हें वक्त भी देना होगा। परिवार में कोई मांगलिक प्रसंग आएगा। उत्साह बना रहेगा। जॉब-बिजनेस में लाभ के अवसर आएंगे। तरक्की होगी। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। पुराने दिनों से चली आ रही परेशानियां काफी हद तक कम होंगी।

मिथुन : धैर्य और संयम का शुभ परिणाम मिलने वाला है। बहुत दिनों से किसी कार्य के पूरा होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं वह होने वाला है। आर्थिक क्षेत्र में किसी नई योजना पर काम शुरू करेंगे। बिजनेस में तरक्की और विस्तार के अवसर आएंगे। नौकरी में प्रमोशन की संभावना है। पारिवारिक समागम, मेलजोल बना रहेगा। स्वास्थ्य सुधार पर है।

कर्क : शारीरिक मानसिक से मजबूती वाला रहेगा यह सप्ताह। संतान पक्ष को लेकर कड़े निर्णय लेने पड़ सकते हैं। उनके कार्यो पर नजर भी रखनी होगी किकोई गलत रात न पकड़ लें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर सजग रहें। पैसों की आवक भरपूर होगी लेकिन खर्च की स्थिति भी बन रही है।

सिंह : सप्ताह का प्रारंभ किसी शुभ समाचार से होगा। आर्थिक दृष्टि से सप्ताह अत्यंत शुभ है। भूमि, संपत्ति की खरीदी-बिक्री से संबंधित कार्य से लाभ प्राप्त करेंगे। रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। कारोबार को आगे बढ़ाने में किसी स्वजन का सहयोग मिलेगा। मित्रों के साथ थोड़ा मनमुटाव हो सकता है लेकिन बात बिगड़ने से पहले संभाल लेंगे।

कन्या : अपने कार्यो को अंजाम तक पहुंचाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। पुराने बिगड़े हुए काम पटरी पर आने वाले हैं। बिजनेस गति पकड़ेगा और नौकरीपेशा को उच्चाधिकारियों से प्रशंसा मिलेगी। धैर्य और संयम के साथ कोई कार्य करेंगे तो उसमें निश्चित रूप से तरक्की मिलने वाली है। आर्थिक मजबूती की ओर बढ़ेंगे।

तुला : आपके भौतिक सुखों में वृद्धि होने वाली है। आभूषण, वस्त्र आदि खरीदेंगे। किसी पारिवारिक समारोह में जाने का अवसर आएगा। संपत्ति को लेकर चल रहा विवाद निपटाने की ओर है। सप्ताह के मध्य में किसी विशेष व्यक्ति से भेंट होगी। बिजनेस के लिए लोन लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य थोड़ा गड़बड़ हो सकता है।

वृश्चिक : अपने मन को शांत रखें और सोच समझकर निर्णय लें। किसी के बहकावे में आकर या देखादेखी कोई काम न करें वरना नुकसान उठाना पड़ सकता है। तरक्की के रास्ते सामने हैं बस जरूरत है उन्हें पहचानने की। किसी भी काम की हड़बड़ी न करें। नौकरी बिजनेस उत्तम रहेगा। स्वास्थ्य भी इस हफ्ते अच्छा रहेगा।

धनु : आर्थिक प्रबलता आपके पक्ष में हैं। जो भी काम करेंगे उसमें सफलता निश्चित है। इसलिए घबराएं नहीं, खुद पर आत्मविश्वास रखें और आगे बढ़ें। नौकरी में तरक्की, बिजनेस में विस्तार, बेरोजगारों को रोजगार के अवसर आएंगे। विद्यार्थियों को फोकस पढ़ाई पर रखना है। पिता या पिता तुल्य व्यक्ति की बात मानें और फॉलो करें।

मकर : बहुत दिनों से किसी काम के होने का रास्ता देख रहे थे वह होने वाला है। पैसों की भरपूर आवक होगी लेकिन ध्यान रखें खर्च सोच समझकर करें। व्यर्थ के कार्यो पर पैसा और समय नष्ट न करें। पारिवारिक मेलजोल बढ़ेगा। किसी काम को करने की जल्दबाजी न करें। माता-पिता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा।

कुंभ : मौज-मस्ती भरा सप्ताह रहेगा। पारिवारिक समागम, मित्रों के साथ घूमने-फिरने का अवसर आएगा। स्वयं का भवन, वाहन खरीदने का योग है। आर्थिक मजबूती रहेगी। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा लेकिन जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी के बहकावे में आकर काम न करें। कार्य विस्तार के लिए किसी मित्र का सहयोग लेना पड़ेगा।

मीन : पद और पैसा प्राप्त होगा। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की के अवसर आएंगे। कारोबारियों को लाभ और विस्तार के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। माता-पिता का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। पर्यटन का अवसर आएगा। अविवाहितों के विवाह की बात बनेगी।

चुटकुले

रिंकी ने पड़ोसन से जूसर मशीन मांगी
पड़ोसन- यहीं आकर यूज कर लो
दूसरे दिन उसी पड़ोसन ने कहा ,जरा अपनी पोछा दे दो...
रिंकी- तुम यहीं आकर यूज कर लो

सोनू और मोनू ट्रेन में बाते कर रहे थे...
सोनू- यह फेसबुक इंसान को बहुत आगे ले जायेगा.
मोनू- वह कैसे ?
सोनू- मुझे ही देख लीजिए. दो स्टेशन पहले उतरना था पर फेसबुक के चक्कर में आगे आ गया...

किसान आंदोलन-राकेश टिकैत का एलान, 15 अगस्त को दिल्ली से दूर फहराएंगे तिरंगा

तीन कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहे आंदोलन को भारतीय किसान यूनिय के नेता राकेश टिकैत ने जन-जन का आंदोलन बताया। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ हर वर्ग जुड़ गया है। उन्होंने कहा कि यह अंदर की बात है। अब फोर्स भी हमारे साथ है। शुक्रवार को राजस्थान से आए प्रतिनिधिमंडल ने भाकियू नेता से मुलाकात की। यूपी गेट पर चौधरी राकेश टिकैत ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा है कि इस बार 15 अगस्त का झंडा दिल्ली से दूर हिमालय की गोद में फहराया जाएगा। उन्होंने कहा मैं दिल्ली से दूर किसी गांव में जाकर झंडा फहराने वाले कार्यक्रम का हिस्सा बनूंगा। जहां आज तक शायद ही कोई सरकार का प्रतिनिधि पहुंचा होगा।टिकैत ने देशभर के किसानों से अपील है कि इस स्वतंत्रता दिवस पर किसान अपने घरों की छतों पर, गाड़ियों पर और यूपी गेट के किसान यहां अपने-अपने अस्थाई झोपड़ियों पर झंडा फहराएंगे। आपको बता दें कि कई दिन पहले तक कुछ किसान संगठन दिल्ली के अंदर तिरंगा फहराने पर अड़े हुए थे, लेकिन राकेश टिकैत के इस एलान के बाद दिल्ली में तिरंगा फहराने के कयास खत्म हो गए हैं। शुक्रवार को टिकैत ने राजस्थान से आए किसानों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। इनमें महिलाएं और पुरुष शामिल रहे। सभी ने राकेश टिकैत को अपनी समस्याएं बताकर समाधान की मांग की। उन्होंने आश्वासन दिया कि खाप पंचायत के बीच में सभी का न्याय होगा। सरकार पर निशाना साधकर कहा कि यह सरकार चुप बैठी है, मगर इसकी चुप्पी को समझना होगा। मंच पर संबोधन के बाद राकेश टिकैत ने किसानों के साथ बैठक की।राकेश टिकैत और प्रधान के पति के फोटो पर पोती कालिखमुजफ्फरनगर के तितावी के अमीरनगर गांव में लगे स्वागत बोर्ड पर लगाए गए भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत और ग्राम प्रधान के पति रिहान खान के फोटो पर असामाजिक तत्वों ने कालिख पोत दी। बोर्ड पर आपत्तिजनक शब्द भी लिख दिया गया। शुक्रवार सुबह घटना की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। महिला ग्राम प्रधान ने अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी है।तितावी थाना क्षेत्र के गांव अमीरनगर में महिला ग्राम प्रधान आशकारा खान ने गांव के बाहर स्वागत बोर्ड (पोल होर्डिंग) लगवाया हुआ था। इस पर भाकियू अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत, राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत और प्रधान के पति रिहान खान की फोटो लगी हुई थी।

अभिषेक दुधैया बतौर निर्देशक पहली फिल्म "भुज-द प्राइड आफ इंडिया" 13 अगस्त को रिलीज़ हुई

निर्देशक अभिषेक दुधैया की अजय देवगन, संजय दत्त,सोनाक्षी सिन्हा स्टारर फिल्म रिलीज़

अजय देवगन, संजय दत्त,सोनाक्षी सिन्हा,नोरा फतेही, एमी विर्क, शरद केलकर, इहाना धिल्लंन, प्रणिता सुभाष सहित कई दिग्गज कलाकारों द्वारा अभिनीत फिल्म "भुज : द प्राइड आफ इंडिया" १३ अगस्त २०२१ को डिजनी व हॉट स्टार पर रिलीज़ हुई। जिसे टी सीरीज़ व अजय देवगन फिल्म्स ने प्रजेंट किया है और जिसके निर्माता भूषण कुमार, कुमार मंगत पाठक, गिन्नी खानूजा, वजीर सिंह,बन्नी संघवी व अभिषेक दुधैया है। इस फिल्म के सह निर्माता, लेखक और निर्देशक अभिषेक दुधैया हैं। इससे पहले अभिषेक दुधैया गुजरात के अंजार, रापर, जामनगर इत्यादि से पढ़ाई पूरी करके मुंबई आकर मुकुल एस आनंद की फिल्म 'त्रिमूर्ति', रमन कुमार की फिल्म ' राजा भैया','वाह वाह रामजी',' सरहद पार' के बतौर सहायक निर्देशक काम किया तथा धारावाहिक तारा, संसार, दीवार, सुहाग, एहसास, अग्निपथ, सिंदूर तेरे नाम का,लाइफ का रीचार्ज इत्यादि का निर्देशन किया। बतौर निर्देशक उनकी पहली फिल्म 'भुज : द प्राइड आफ इंडिया" भारत के 1971 के एक सत्य ऐतिहासिक घटना पर आधारित है। इस फिल्म में अभिनेता अजय देवगन ने स्क्वाड्रन लीडर विजय कुमार कार्णिक का रोल निभाया है, जो उस वक्त भुज एयरबेस के इंचार्ज थे और उन्हें उसका हीरो माना जाता है। जिसके बारे में अजय देवगन कहा," जब विंग कमांडर विजय कार्णिक से पूछा गया कि उन्होंने भुज द प्राइड ऑफ इंडिया को अपनी मंजूरी क्यों दी?विजय कार्णिक ने कहा कि जब निर्देशक अभिषेक दुधैया मेरे पास इस घटना पर एक फिल्म बनाना चाहते हैं, तो उन्होंने मुझे बताया कि उन्होंने अपना शोध किया है और टीम ने माधापर की 50-60 महिलाओं से बात की है और अभिषेक की नानी भी रनवे बनाने वाली बहेनो में शामिलथी, तभी मैंने इस प्रोजेक्ट को अपनी मंजूरी देने का फैसला किया और मैंने यह फिल्म किया।

फिल्म "भुज : द प्राइड आफ इंडिया" को लेकर निर्देशक अभिषेक दुधैया से बातचीत के प्रमुख अंश :आपकी पहली ही फिल्म इतने दिग्गज कलाकारों को साथ पूरी हुई और रिलीज़ हुई, आप कैसा महसूस कर रहे है ?बहुत अच्छा लग रहा है। उनके साथ काम करने का मज़ा ही आता है। सभी कलाकारों ने काफी सपोर्ट किया। सबसे ज्यादा सपोर्ट अजय देवगन का रहा, क्योकि पूरी फिल्म उन्ही को लेकर थी यानि स्क्वाड्रन लीडर विजय कुमार कार्णिक जोकि हमारी फिल्म के स्टार है और वह रोल अजय देवगन ने बखूबी निभाया। फिल्म का सब्जेक्ट क्या है?1971 में भारत तथा पाकिस्तान के युद्ध के दौरान गुजरात के भुज एअरबेस के रनवे को पाक सेना ने बमबारी करके तहस नहस कर दिया था। उस वक्त भुज एअरबेस के तत्कालीन प्रभारी आईएएफ स्क्वाड्रन लीडर विजय कार्णिक और उनकी टीम ने गुजरात के माधापर व उसके आसपास के गांव की 300 महिलाओं की मदद से वायुसेना के एयरबेस का पुनः निर्माण किया था। उसी को इस फिल्म में दिखाया गया है।इस पर फिल्म बनाने का ख्याल कैसे और क्यों आया ?इस युद्ध में सेना और आम जनता की भागीदारी थी और गांव की ३०० औरतों की शौर्य गाथा थी। उसमें से मेरी नानी मां लक्ष्मी परमार भी एक थीं, जिनका भुज एअरबेस के रनवे को बनाने में योगदान था। वे अक्सर बचपन में मेरे सामने जिक्र करती थी। जिसके कारण मुझे इस पर अब जाकर फिल्म बनाने का ख्याल आया। जिसके लिए वहां की कई दर्जनों औरतों से बातचीत किया, फिर विजय कार्णिक से बातचीत किया और काफी समय रिसर्च करने के बाद इस पर फिल्म बनाया, जोकि सबके सामने है और लोगो को पसंद भी आ रहा है। आपकी दूसरी आने वाली फिल्म कौन सी है ? मैं शौर्यचक्र विजेता सरदार बाना सिंह की बायोपिक बनाने जा रहा हूँ। जिसपर काम चल रहा है। जल्द ही उसके बारे में आप लोगों को पूरा बताऊंगा।

RBI ने रद्द किया इस सहकारी बैंक का लाइसेंस, जानिए जमाकर्ताओं को पैसा वापस मिलेगा या नहीं

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने महाराष्ट्र के करनाला नागरी सहकारी बैंक, पनवेल का लाइसेंस रद्द कर दिया है। बैंक के पास पर्याप्त पूंजी नहीं होने की वजह से केंद्रीय बैंक ने यह कदम उठाया। यह सहकारी बैंक अपने मौजूदा जमाकर्ताओं की पूरी राशि चुकाने की स्थिति में नहीं है। रिजर्व बैंक ने कहा कि करनाला नागरी सहकारी बैंक का लाइसेंस नौ अगस्त 2021 के आदेश के तहत रद्द किया गया है और यदि बैंक को आगे अपना कारोबार जारी रखने की अनुमति दी गई, तो इससे जनहित पर प्रतिकूल असर पड़ेगा।क्या जमाकर्ताओं को वापस मिलेगी राशि?सहकारिता आयुक्त और सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र से बैंक को बंद करने और बैंक के लिए एक परिसमापक नियुक्त करने का आदेश जारी करने का अनुरोध किया गया है। लाइसेंस रद्द करने की घोषणा करते समय

आरबीआई ने कहा कि बैंक द्वारा जमा कराए गए ब्योरे के मुताबिक, 95 फीसदी जमाकर्ताओं को डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉर्पोरेशन एक्ट (DICGC) के तहत अपनी पूरी राशि वापस मिलेगी। जानिए पूरा मामला मालूम हो कि 16 जून 2021 में करनाला नगरी सहकारी बैंक घोटाले के मामले में ईडी ने बैंक के चेयरमैन विवेकानंद शंकर पाटिल को गिरफ्तार किया था। यह मामला 512.54 करोड़ रुपये के घोटाले से संबंधित है। पाटिल पीडब्ल्यूपी के पूर्व विधायक हैं। पूर्व विधायक को धन शोधन निवारण अधिनियम (मनी लांड्रिंग रोधी कानून) की धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया था। यह मामला नवी मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा पिछले साल फरवरी में पूर्व विधायक और लगभग 75 अन्य लोगों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर आधारित है। इसमें करनाला नगरी सहकारी बैंक में 512.54 करोड़ रुपये की अनियमितता का आरोप था। पुलिस ने पूर्व में पनवेल विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष पाटिल के अलावा उपाध्यक्ष, मुख्य कार्यकारी अधिकारी और कई अन्य लोगों को आरोपी के रूप में नामित किया था, जिन्होंने संस्था से ऋण लिया था। यह धोखाधड़ी का मामला उसी आधार पर दायर किया गया था।2008 से चल रही थी धोखाधड़ी 12 अगस्त 2021 को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पाटिल और अन्य के खिलाफ 512 करोड़ रुपये से अधिक के कथित फर्जीवाड़े से जुड़े धनशोधन मामले में आरोपपत्र दायर किया। मामले में ईडी ने कहा कि, 'केंद्रीय बैंक के 2019-20 के दौरान ऑडिट में धोखाधड़ी का यह मामला सामने आया। इसमें पता चला कि पाटिल 63 फर्जी ऋण खातों के माध्यम से कोष का गबन कर रहे हैं। धोखाधड़ी 2008 से चल रही थी।

दिल्ली में हाई अलर्ट-15 अगस्त को खालिस्तानी समर्थक फैला सकते हैं गड़बड़ी, सुरक्षाकर्मी चौकस

75वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर दिल्ली से जम्मू-कश्मीर तक आतंकी हमले के इनपुट मिले हैं। खुफिया विभाग ने दिल्ली पुलिस को इनपुट दिए हैं और खालिस्तान समर्थकों के इरादे साफ किए हैं। खालिस्तानी समर्थक 15 अगस्त वाले दिन या उससे पहले दिल्ली व पंजाब में ऐतिहासिक इमारतों समेत अन्य जगहों पर खालिस्तानी झंडा फहरा सकते हैं या फिर कोई और गड़बड़ी फैला सकते हैं। इसे देखते हुए राजधानी में सुरक्षा चाक-चौबंद कर दी गई है। जगह-जगह तलाशी अभियान सघन कर दिया गया है। देश के खिलाफ विभाग ने शुक्रवार को दिल्ली पुलिस को ये इनपुट दिए हैं। इन इनपुट के लेकर खुफिया विभाग अलर्ट हो गया है। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली में सुरक्षा को और कड़ा कर दिया गया है। दिल्ली पुलिस के सीनियर पुलिस अधिकारी जूनियर अधिकारियों को ब्रीफिंग के दौरान खालिस्तानी इनपुट के बारे में जानकारी देने दे रहे हैं। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि खुफिया विभाग ने शुक्रवार सुबह इनपुट दिए हैं कि खालिस्तान किसानों को भड़का कर कहीं भी उग्र प्रदर्शन कर सकते हैं। इस दौरान खालिस्तान समर्थक ऐतिहासिक इमारत या फिर गुरुद्वारे समेत धार्मिक स्थलों पर अपना झंडा पहरा सकते हैं। खुफिया अलर्ट में कहा गया है कि खालिस्तान 14 अगस्त की रात 12 बजे से लेकर 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के दौरान या फिर स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम के बाद झंडा फहराने के

साथ किसी भी तरह की गड़बड़ी फैला सकते हैं। 15 अगस्त वाले दिन लाल किले पर कार्यक्रम होने के बाद भी खालिस्तान समर्थक गड़बड़ी या फिर कहीं भी झंडा फहरा सकते हैं। लाल किले पर कार्यक्रम होने के बाद दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था ढीली हो जाती है। गौरतलब है कि 26 जनवरी को किसानों के एक समूह ने लाल किले की प्राचीर पर धार्मिक झंडा फहरा कर देश का अपमान कर चुके है। झंडा फहरा कर खालिस्तानी समर्थक मीडिया को सूचना देकर मौके पर भी बुलाएंगे।

स्पेशल सेल के इस पुलिस अधिकारी ने बताया कि खालिस्तानी समर्थक गुब्बारे उड़ाकर भी गड़बड़ी फैला सकते हैं। गुब्बारे एक या काफी मात्रा में हो सकते हैं। खालिस्तानियों के खुफिया अलर्ट को लेकर दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को ब्रीफिंग कर रहे हैं। आतंकी हमले के इनपुट्स के बीच खालिस्तानी समर्थकों को लेकर मिले खुफिया अलर्ट को दिल्ली पुलिस अलर्ट हो गई है। दिल्ली पुलिस ने अपने खुफिया विभाग स्पेशल ब्रांच को अलर्ट कर दिया है। ऐतिहासिक व धार्मिक जगहों पर सादा वर्दी में पुलिसकर्मी तैनात किए जा रहे हैं। दिल्ली पुलिस में 15 अगस्त को देखते हुए गुब्बारे व ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध हैं और पूरी दिल्ली में धारा 144 लगी हुई है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने स्वतंत्रता दिवस से पहले अलग-अलग से चार हथियार तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से बड़ी संख्या में हथियार बरामद किए हैं।

कांग्रेस से तकरार के बीच ट्विटर ने राहुल गांधी का हैंडल किया अनलॉक, कल ही किया था इंडिया हेड का ट्रांसफर

कांग्रेस के साथ तकरार के बीच अपने इंडिया प्रमुख का ट्रांसफर करने के बाद अब ट्विटर ने राहुल गांधी के अकाउंट को बहाल कर दिया है। एक सप्ताह तक अस्थायी तौर पर अकाउंट सस्पेंड करने के बाद ट्विटर ने शनिवार को राहुल गांधी के अकाउंट को अनलॉक कर दिया। दरअसल, कुछ दिनों पहले ही दिल्ली में दलित बच्ची की रेप और हत्या मामले में उसके परिजन की तस्वीर साझा करने को लेकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष का ट्विटर अकाउंट बंद किया गया था और ट्विटर ने नियमों के उल्लंघन का हवाला दिया था। साथ ही ट्विटर ने कांग्रेस और पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं के ट्विटर अकाउंट बंद कर दिए हैं।

सूत्रों ने कहा कि पार्टी के कुछ नेताओं के ट्विटर अकाउंट भी बहाल कर दिए गए हैं, जिन्होंने वही तस्वीरें साझा की थीं। पार्टी के एक पदाधिकारी ने कहा कि राहुल गांधी का ट्विटर अकाउंट अनलॉक कर दिया गया है।। उन्होंने कहा कि उनके अलावा कांग्रेस के कुछ अन्य नेताओं के अकाउंट भी बहाल कर दिए गए हैं। बता दें कि शुक्रवार को ट्विटर ने अपने इंडिया हेड मनीष माहेश्वरी का अमेरिका ट्रांसफर कर दिया।

मिशन 2022-अमिताभ ठाकुर ने किया सीएम योगी के खिलाफ चुनाव लड़ने का ऐलान

रिटायर आईपीएस अमिताभ ठाकुर एक बार फिर अपने बयाने की वजह चर्चा में हैं। अमिताभ ने सीएम योगी के खिलाफ यूपी विधानसभा 2022 चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। अमिताभ ने ट्वीट कर कहा कि कल योगी आदित्यनाथ के खिलाफ चुनाव लड़ने की मंशा जाहिर करने के बाद से तमाम साथी लगातार मुझे उनके खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए कह रहे हैं। सभी बातों पर गंभीरता से विचार कर मैंने निर्णय लिया है कि वे जहां से भी आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेंगे, मैं निश्चित रूप से उनके विरुद्ध चुनाव लड़ूंगा। कल योगी आदित्यनाथ के खिलाफ चुनाव लड़ने की मंशा जाहिर करने के बाद से तमाम साथी लगातार मुझे उनके खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए कह रहे हैं. सभी बातों पर गंभीरता से विचार कर मैंने निर्णय लिया है कि वे जहाँ से भी आगामी विधान सभा चुनाव लड़ेंगे, मैं निश्चित रूप से उनके विरुद्ध चुनाव लड़ूंगा. pic.twitter.com/41zhECP K X P आपको बता दें कि अमिताभ ठाकुर फिलहाल आईजी रूल्स एंड मैनुअल के पद

पर थे। अमिताभ रिटायर किए गए थे। अमिताभ ठाकुर 1992 बैच के आईपीएस के साथ-साथ कवि व लेखक हैं। अमिताभ ठाकुर का विवादों से हमेशा नाता रहा। कई बार सत्ता में बैठे लोगों को अमिताभ से परेशानी हुई। पिछली अखिलेश सरकार में मुलायम सिंह से विवाद का ऑडियो वायरल होने के बाद निलंबित कर दिए गए थे। इसके बाद अमिताभ ठाकुर ने अखिलेश सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था।अमिताभ के खिलाफ पांच विभागीय कार्रवाई भी हुई थी। उनके खिलाफ आरोप था कि 16 नवम्बर 1993 को आईपीएस की सेवा प्रारंभ करते समय अपनी संपत्ति का ब्योरा शासन को नहीं दिया था।

इसके साथ ही उन्होंने 1993 से 1999 तक का वर्षवार संपत्ति विवरण शासन को एकमुश्त दिया। आरोपपत्र में यह भी था कि अमिताभ ठाकुर के वर्षवार वार्षिक संपत्ति विवरण में काफी भिन्नताएं हैं। उन्होंने अपनी पत्नी व बच्चों के नाम से काफी संख्या में चल एवं अचल संपत्तियां, बैंक व पीपीएफ जमा की हैं। उनको ऋण व उपहार प्राप्त हुए थे, किन्तु उन्होंने इसकी सूचना शासन को नहीं दी। इसके बाद अमिताभ ठाकुर कोर्ट पहुंच गए। कोर्ट के आदेश के उन्हें फिर बहाल किया गया। उन्होंने ड्यूटी तो ज्वाइन कर ली पर उसके लाइम लाइट में नहीं आए। आज गृहमंत्रालय ने समय से पहले उन्हें रिटायर कर दिया।

फरार था बच्ची से रेप और हत्या का आरोपी, पुलिस ने उतार दी 700 जवानों की फौज, 20 घंटे में दबोचा गया

राजस्थान की राजधानी जयपुर में पुलिस ने अपनी भारी-भरकम टीम के साथ एक ऐसे मामले को सुलझाया है, जिसे लेकर चारों ओर उसकी चर्चा हो रही है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि जयपुर में चार साल की बच्ची के साथ बलात्कार और हत्या में कथित रूप से शामिल आरोपी की गिरफ्तारी के लिए 700 सौ पुलिसकर्मियों को लगाया गया और इससे भी खास बात यह है कि इन पुलिसवालों को मामले को सुलझाने में महज 20 घंटे लगे।टीम का नेतृत्व करने वाले जयपुर (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक शंकर दत्त शर्मा ने कहा कि यह आसान काम नहीं था। उन्होंने कहा कि आरोपी 25 वर्षीय सुरेश कुमार के पास मोबाइल फोन भी नहीं था। शर्मा ने कहा कि सुरेश कुमार घर जा रहा था, जब उसने लड़की को उसके घर के बाहर देखा। वह कथित तौर पर उसे उठाकर लगभग 5-7 किमी दूर एक तालाब के पास एक सुनसान जगह पर ले गया और उसके साथ बलात्कार किया और उसकी हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि शुरुआत में कोई सुराग भी नहीं था।

उन्मुक्त चंद-वह क्रिकेटर जिसे वक्त से पहले स्टार बनने का खामियाजा भुगतना पड़ा

2012 अगस्त के आखिरी हफ्ते की बात है। मुझे भारत के अंडर 19 विश्व-विजेता कप्तान के इंटरव्यू लेने के लिए दिल्ली में उनके मयूर-विहार निवास पर पहुंचना पड़ा। उनके घर के बाहर टीवी चैनल्स के ओवी वैंस उनके पूरी सोशायटी को भर चुके थे। घर के अंदर करीब दर्जन पत्रकार उनका इंटरव्यू कर रहे थे। हर कोई ये मान चुका था कि मोहम्मद कैफ, युवराज सिंह और विराट कोहली की ही तरह भारत को अंडर 19 वर्ल्ड कप के ज़रिए भविष्य का एक सुपर स्टार मिल गया है।वक्त से पहले स्टार बनने का खामियाजा भुगतना पड़ा?मैनें भी उनमुक्त चंद के साथ बातचीत की और आखिर में उनसे उनका फोन नंबर मांगा जो किसी भी रिपोर्टर के लिए एक रूटीन बात होती थी। लेकिन, उनके जवाब ने मुझे भौचक्का कर दिया। उन्होंने कहा कि आप मेरे एजेंट का नंबर ले लीजिए और आगे से उन्हीं से संपर्क करें किसी भी तरह के इटरव्यू के लिए। मैंने सचिन तेंदुलकर और अनिल कुंबले जैसे दिग्गजों से कई मर्तबा इटरव्यू के लिए ना तो सुना था, लेकिन कभी भी किसी क्रिकेटर ने अपना नंबर नहीं देकर एजेंट से संपर्क करने की बात नहीं कही थी। खैर मैनें भी अपनी 'तैश' में एजेंट का नंबर नहीं मांगा और आगे बढ़ गया।इसके बाद जब उनमुक्त दिल्ली के लिए रणजी ट्रॉफी खेलने लगे तो अक्सर साथी खिलाड़ियों के मुंह से ये सुनने को मिलता कि वो सीधे टीम इंडिया के बारें में सोचते हैं और खुद को एकदम कोहली के बराबर। उनकी इस दूरगामी सोच को ग़लत भी नहीं ठहराया जा सकता था क्योंकि कोल्ड-डिंक बनाने वाली एक बहुराष्ट्रीय कंपनी ने एक विज्ञापन में महेंद्र सिंह धोनी और कोहली के साथ अगली पीढी के कप्तान के तौर पर उन्मुक्त को दिखाया।दिग्गजों ने वक्त रहते चेताया थाउन्मुक्त अब गगन को छूने को तैयार दिख रहे थे फिर ना जाने अचानक क्या हुआ कि पहले वो आईपीएल में नाकाम हुए और फिर रणजी ट्रॉफी में और बस संघर्ष बढ़ता गया। लेकिन, इस दौरान भी क्रिकेट की बजाए उनका फोकस ग्लैमर और मीडिया में छाए जाने पर ज्यादा रहा। मुझे याद है कि कपिल देव ने सार्वजिनक तौर पर उन्हें यह कहकर झकझोरा था कि उन्हें फिलहाल अपना पूरा ध्यान क्रिकेट पर देना चाहिए ना कि इमेज मैनेजमेंट पर। लेकिन, तब तक देर हो चुकी थी। उन्मुक्त पूरी तरह से अपने उस एजेंट के बहकावे में आ चुके थे जिन्होंने उनका करियर शुरु होने से पहले ही खत्म करवा डाला। दरअसल, भारतीय क्रिकेट में ये कोई नई बात नहीं थी। अक्सर जब कोई खिलाड़ी छोटे शहर से और गैर-अंग्रेजी वाले बैकग्रांउड से आते हुए छा जाता है तो अचानक से नए-नए एंजेट अपने हितों को साधने के लिए की युवा खिलाड़ियों को भटका देते हैं। धोनी के साथ भी शुरुआती दौर में कोलाकाता के एक एजेंट ने ऐसा ही करने की कोशिश की थी लेकिन वो समझदार थे।सचिन तेंदुलकर को मार्क मेसकेरहेनस मिल गए थे इसके अलावा उनके भाई अजीत तेंदुलकर भी थे।

एक टीम से बस इतने ही लोग जा सकेंगे यूएई, जानें आईसीसी ने कितने खिलाड़ियों की दी अनुमति

आईसीसी ने आगामी टी-20 विश्व कप में भाग लेने वाले देशों को यूएई में टूर्नामेंट के लिए 15 खिलाड़ियों और आठ अधिकारियों को लाने की अनुमति दी है। शुक्रवार को इस बात की पुष्टि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक अधिकारी ने की। उन्होंने कहा कि आईसीसी ने भाग लेने वाले देशों के लिए अपने अंतिम 15 खिलाड़ियों और कोच एवं सहयोगी सदस्यों के आठ अधिकारियों की सूची भेजने के लिए 10 सितंबर की समय सीमा तय की है। 10 सितंबर तक भेजनी होगी टीम की सूचीइस अधिकारी ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया, 'आईसीसी ने कोरोना और बायो-बबल की स्थिति को देखते हुए टी-20 विश्व कप में भाग लेने वाले देशों को अतिरिक्त खिलाड़ियों को टीम के साथ लाने की अनुमति दी है लेकिन इसका खर्च संबंधित बोर्डों को वहन करना होगा।' उन्होंने कहा, 'आईसीसी सिर्फ 15 खिलाड़ियों और आठ अधिकारियों का खर्च वहन करती है।' उन्होंने कहा, 'बोर्ड को 10 सितंबर तक अपनी टीम की सूची भेजनी होगी।' 17 अक्तूबर से शुरू होगा टूर्नामेंटबता दें कि टी-20 विश्व कप का आयोजन 17 अक्तूबर से 14 नवंबर तक ओमान और यूएई (दुबई, अबुधाबी और शारजाह) में होगा। आठ देशों की क्वालीफाइंग टूर्नामेंट को 23 सितंबर से खेला जाएगा। इसमें श्रीलंका, बांग्लादेश और आयरलैंड की टीमें भी शामिल है। इसमें से चार टीमें सुपर-12 चरण के लिए क्वालीफाई करेगी। गौरतलब है कि इस टूर्नामेंट का आयोजन भारत में होने वाला था, लेकिन कोरोना की स्थिति के कारण आईसीसी ने इसे यूएई में स्थानांतरित कर दिया। मगर भारत इस टूर्नामेंट का मेजबान बना रहेगा।

टोक्यो ओलंपिक-स्वर्ण पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा की ट्रेनिंग पर खर्च हुए सात करोड़ रुपये, खरीदे गए 177 भाले

टोक्यो ओलंपिक में भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने स्वर्ण पदक जीत कर इतिहास रच दिया। ट्रैक और फील्ड स्पर्धा में भारत की तरफ से नीरज ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले खिलाड़ी हैं। फाइनल मुकाबले में उन्होंने 87.58 मीटर भाला फेंक कीर्तिमान रचा था। कुल मिलाकर नीरज द्वारा जीता गया स्वर्ण पदक टोक्यो ओलंपिक में भारत का सातवां मेडल था। यह भारत की तरफ से ओलंपिक में किया गया अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले 2012 लंदन ओलंपिक में भारत ने 6 मेडल जीते थे। नीरज चोपड़ा के गोल्ड मेडल जीतने में सबसे बड़ा हाथ उनकी कड़ी ट्रेनिंग का था। खेलों के महाकुभ ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना आसान नहीं होता है। इसमें वही एथलीट सफल होता है जिसने दिन-रात मेहनत की है। भारतीय खेल प्राधिकरण के मुताबिक गोल्डन ब्वॉय नीरज ने बीते पांच वर्षों में 1617 दिन की कड़ी ट्रेनिंग की। इसमें से उन्होंने 450 दिन की ट्रेनिंग यूरोप में की थी। इसके अलावा पटियाला में नेशनल कोचिंग कैंप में उन्होंने 1167 दिन बिताए। इस दरम्यान नीरज के लिए 177 भाले खरीदे गए। एसएआई के मुताबिक, सरकार ने टोक्यो ओलंपिक से पहले नीरज चोपड़ा पर सात करोड़ रुपये खर्च किए थे। विदेशी कोच के अलावा पर्सनल फीजियोनीरज चोपड़ा ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन करें इसके लिए उनकी जरुरत के मुताबिक, विदेशी कोच डॉ क्लाउस बार्टोनिएट्स और पर्सनल फीजियो भी उपलब्ध कराया गया था। इस दौरान उन्हें केंद्र सरकार की योजना टॉप्स से भी शामिल किया गया। इसके अलावा उन्हें कोई कमी नहीं होने दी गई।

अफगान में आतंक

बदल गया है 2021 का तालिबान, कहां से आ रहा है पैसा....

2016 से 2021 के तालिबान में बहुत बदलाव हुआ है। उनके आय के श्रोत बढ़ गए हैं, उनका सालाना बजट 1.6 बिलियन डॉलर था। उसे खुद को बेहतर बनाने के लिए कई निवेश प्राप्त हो रहे हैं।

90 के दशक से 2021 का तालिबान कुछ अलग दिख रहा है। इसमें कोई शक नहीं है कि तब से अब के टीवी प्रसारण की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। लेकिन, अफगान के आतंकी संगठन ने भी खुद में बहुत कुछ बदल डाला है। उनके हरिथार नए और उच्चस्तरीय हैं। हथियारबंद वाहन बेहतर हैं। उनके कपड़े साफ-सुथरे हैं। कुल मिलाकर 2021 का तालिबान अब पहले जैसा नहीं रहा। उनकी सोच से लेकर उनके व्यवहार में भी बदलाव हुआ है। पहले अफगानिस्तान में अपने राज के दौरान महिलाओं पर अत्याचार की जो तस्वीरें सामने आती थीं, अब वैसा नहीं है। अब तालिबानी अनुशासित दिख रहे हैं। वह सिर्फ एक मिशन पर काम कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य देश की सरकार को हटाकर कब्जा जमाना है। वे संतुष्ट भी दिख रहे हैं, क्योंकि उनका संगठन के पास पैसे की कोई कमी नहीं है। कहां से आ रहा तालिबान के पास पैसा फोर्ब्स के अनुसार तालिबान की आय का श्रोत नशीली दवाओं की दस्कती, फिरौती व लोगों से मिलने वाला दान है। जबकि, 2016 तक यह अफगानिस्तान में कोई बड़ा संगठन नहीं था। NATO की खुफिया रिपोर्ट के अनुसार 2019-20 में तालिबान का सालाना बजट 1.6 बिलियन डॉलर था, जो 2016 में फोर्स के अनुमान से 400 गुना अधिक था। आरईएफ की ओर से विभिन्न श्रोतों से तालिबान की आय को उजागर किया गया है। नाटो की खुफिया रिपोर्ट के अनुसार तालिबान बहुत तेजी से एक स्वतंत्र सैन्य व राजनैतिक संगठन बनने के लिए आत्मनिर्भर बन रहा है। विदेशी आय में भी कर रहा कटौतीपिछले कुछ सालों में विदेशों से आने वाले दान व मदद में भी तालिबान ने कटौती कर दी है। 2017-18 की रिपोर्ट के अनुसार तालिबान को करीब 500 मिलियन डॉलर विदेशी श्रोतों से मिले थे। वहीं 2020 तक तालिबान ने कुल राजस्व से 15 प्रतिशत तक इसमें कटौती कर दी थी। इसी साल अफगानिस्तान का बजट 5.5 बिलियन डॉलर था, जिसका सिर्फ दो प्रतिशत सैन्य सुरक्षा में खर्च किया गया था। जबकि, तालिबान से अफगानिस्तान की सुरक्षा के नाम पर अमेरिका से बड़ी वित्तीय सहायता ली गई थी। अमेरिका के मुकाबले जमा रहा अपने पांव उधर, अमेरिका जो अब अफगानिस्तान से अपने सैनिकों को बाहर करने की तैयारी कर रहा है। वह पिछले 19 सालों में तालिबान से लड़ाई व अफगान फोर्स को प्रशिक्षित करने में कई ट्रिलियन डॉलर खर्च कर चुका है। अब ऐसा लगता है कि अफगानिस्तान में तालिबान बड़ा उद्यम बन गया है, जो अमेरिका के मुकाबले अपने पांव जमा रहा है। पूर्ण आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो तालिबान को खुद को बेहतर करने के लिए बेहतर निवेश प्राप्त हो रहा है। जिससे वह नाटो व अमेरिका द्वारा बनाई गई खाई को भरने के लिए खुद को तैयार कर रहा है। यही एक कारण है कि अफगानिस्तान हार की कगार पर खड़ा हो गया है।

ब्रिटेन-रक्षा मंत्री बेन वालेस ने कहा- अफगानिस्तान में अलकायदा फिर से उठा सकता है सिर

अफगानिस्तान में तालिबान के बढ़ते प्रभाव पर ब्रिटेन के रक्षा मंत्री बेन वालेस ने शुक्रवार को कहा कि अफगानिस्तान 'गृह युद्ध' की तरफ बढ़ रहा है। क्षेत्र में हालात लगातार बिगड़ने के साथ आतंकवादी संगठन अल-कायदा संभवत: वापसी करेगा। वह फिर मजबूत होकर फिर सिर उठा सकता है।वालेस अफगानिस्तान में बचे ब्रिटेन के बाकी सैनिकों की सुरक्षित वापसी के लिए करीब 600 अतिरिक्त सैनिकों को भेजने के सरकार के फैसले के बारे में ब्रिटेन के मीडिया संस्थानों को जानकारी दे रहे थे। उन्होंने कहा, मुझे इस बात की चिंता है कि असफल देश इस तरह के लोगों के पनपने के केंद्र बन रहे हैं। ब्रिटिश जिहादी भी पहुंचे तालिबान के समर्थन मेंएक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ब्रिटिश जिहादियों ने भी अफगानिस्तान में तालिबान के साथ हाथ मिला लिए हैं। द सन ने रिपोर्ट में कहा कि ब्रिटिश लहजे में अंग्रेजी बोलने वाले विद्रोही लड़ाकों की फोन कॉल ब्रिटिश एजेंसियों ने इंटरसेप्ट की हैं। ये जिहादी अमेरिका व ब्रिटेन के अफगानिस्तान से हटने की घोषणा के बाद पाक के जरिये अफगानिस्तान पहुंचे हैं।हिंसा तत्काल रोकने की मांगभारत, जर्मनी, कतर, तुर्की और कई अन्य देशों ने फिर से दोहराया है कि अफगानिस्तान में जबरन बंदूक के दम पर बनी किसी भी सरकार को वे मान्यता नहीं देंगे। सभी ने अफगानिस्तान में हिंसा और हमलों को तत्काल रोकने की अपील भी की है। दोहा में अफगानिस्तान पर दो अलग-अलग बैठकों के बाद शुक्रवार को कतर की तरफ से कहा गया कि देशों ने अफगान शांति प्रक्रिया को तत्काल तेज किए जाने की जरूरत बताई है।यूएन, ईयू व नाटो भी नहीं देंगे मंजूरीसंयुक्त राष्ट्र (यूएन), यूरोपीय संघ (ईयू) व उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) ने भी शुक्रवार को स्पष्ट कहा कि वे भी अफगानिस्तान में जबरन सैन्य संघर्ष के जरिये बनी सरकार को मंजूरी नहीं देंगे।

चौतरफा घिरा ड्रैगन-वायरस की उत्पत्ति से जुड़ी जांच को चीन ने किया खारिज

कोरोना की उत्पत्ति से जुड़ी अगले दौर की जांच को चीन ने खारिज कर दिया है। चीन ने कहा है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा दूसरे चरण की जांच का फैसला तर्कसंगत नहीं है। हालांकि लैब से वायरस लीक होने को लेकर चीन चौतरफा घिरता नजर आ रहा है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने भी आंखें तरेरी हैं।डब्ल्यूएचओ द्वारा वायरस की उत्पत्ति से जुड़ी जांच टीम में शामिल चीन के वैज्ञानिक प्रो. लियांग वानियन का कहना है कि अगले चरण की जांच में उन सभी देशों को शामिल करना चाहिए जहां चमगादड़ और पैंगोलिन्स रहते हैं।इसके अलावा कोल्ड चेन के जरिए वुहान में इसकी आपूर्ति करने वालों को भी जांच के दायरे में शामिल करना चाहिए। चीन के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि लैब से वायरस के लीक होने की थ्यौरी के आधार पर दोबारा जांच स्वीकार नहीं है और उपयुक्त भी नहीं है। डब्ल्यूएचओ को सहयोग की उम्मीदचीन ने ये बात तब कही है कि जब डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि वो वायरस की उत्पत्ति कहां से हुई इसकी तह तक जाने के लिए दूसरे चरण की जांच करेगा। डब्ल्यूएचओ ने ये भी उम्मीद जताई है कि चीन समेत दुनिया के सभी देश इसमें सहयोग करेंगे। लैब से वायरस लीक हुआ इसकी जांच के लिए वुहान के लैब में एक विशेष टीम भी भेजनी थी।प्रोटीन आधारित टीका वायरस को देगा चकमाकोरोना वायरस से लड़ाई की दिशा में वैज्ञानिकों को एक और कामयाबी हाथ लगी है। अमेरिका के यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के वैज्ञानिकों ने प्रोटीन आधारित टीका बनाया है जिसकी मदद से कोरोना वायरस को चकमा दिया जा सकता है।एसीएस सेंट्रल साइंस जर्नल में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार चूहों पर अध्ययन में वैज्ञानिकों ने देखा है कि इस वैक्सीन के लगने के बाद चूहों में इम्युन सिस्टम सक्रिय हुआ है और बड़ी संख्या में रिसेप्टर बाइंडिंग डोमेन का भी सृजन हुआ है।

रमाकांत मुंडे को पायल घोष और राजपाल यादव द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज गौरव पुरस्कार 2021 मिला

मुंबई : बॉलीवुड फिल्म फोटोग्राफर रमाकांत मुंडे को पायल घोष और राजपाल यादव के हाथों छत्रपति शिवाजी महाराज गौरव पुरस्कार २०२१ मिला। यह समारोह मुंबई के होटल ऑर्किड विले पार्ले में आयोजित किया गया था। रमाकांत मुंडे को हिंदी और मराठी सिनेमा में उनके काम के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज गौरव पुरस्कार २०२१ दिया गया।अमेरिका में भारतीय संगीत को बढ़ावा देने वाली गायिका अलका भटनागर को विशेष पुरस्कार के तौर पर शिवाजी महाराज गौरव पुरस्कार से नवाजा गया। फिल्म इंडस्ट्री के जनक दादासाहेब फालके आइकॉन अवार्ड फ़िल्म फाऊंडेशन के ऑर्गनाइजर कल्याणजी जाना के द्वारा मुंबई के होटल ऑर्किड विले पार्ले, मुंबई में द्वितीय छत्रपति शिवाजी महाराज गौरव अवार्ड सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस अवार्ड समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। साथ ही नई प्रतिभाओं को सर्वश्रेष्ठ योगदान के लिए प्रेरित भी किया गया। वहीं इस अवार्ड समारोह में फ़िल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई कलाकारों के साथ - साथ जानी मानी हस्तियां भी मौजूद रहीं, जिनका अभिनंदन खुद कल्याणजी जाना ने किया।कल्याणजी जाना ने कहा कि द्वितीय छत्रपति शिवाजी महाराज गौरव अवार्ड का सफल आयोजन कर हर्ष हो रहा है। यह अवार्ड हमारे देश के महान नायक छत्रपति शिवाजी महाराज जी के नाम से है, तो यह अपने आप में एक महत्वपूर्ण अवार्ड हो जाता है। हमें गर्व है कि हम यह अवार्ड शो का आयोजन दूसरे साल भी सफलतापूर्वक कर पाए, जबकि पूरा देश कोरोना महामारी से जूझ रहा है।

ऐसे में यह आयोजन चुनौती भरा रहा, लेकिन मैं यहां आए तमाम महानुभावों, आवर्ड सम्पन्न कराने में योगदान देने वाले हर इंसान का शुक्रगुजार हूं।उन्होंने कहा कि हमने कोविड नियमों का सख्ती से पालन करते हुए इस कार्यक्रम को सफल बनाया। इसमें हमें अंकिता जाना, भेरू जैन, पांडरी शेट्टी, मिलन जाना, चारुल मलिक, सिमरन आहूजा, अबू अब्दुल्ला, रमाकांत मुंडे, संजय भूषण पटियाला, विजय पाटिल, राज काले, सूरज माते, पीयूष सक्सेना और वीजे राम का सहयोग मिला। इसके अलावा एस के एम एच फिल्म्स प्रोडक्शन एंड बुलमैन रेकॉर्ड्स के साथ ग्लोबल सनशाइन ट्रेडिंग सर्विस प्रा. लि. , श्रीम लबदी परफ्यूम्स कारपोरेशन का साथ मिला।

इसके अलावा डी पी आई ए एफ रोटी और कपड़ा बैंक, के जे वाटर एंड के जे टॉकीज फ्री प्ले ओ टी टी प्लेटफार्म का सहयोग मिला। हम उनका भी आभार व्यक्त करते हैं।

पति की मौत के बाद पहली बार काम पर लौटीं अभिनेत्री

अभिनेत्री मंदिरा बेदी पति की मौत के बाद पहली बार काम पर लौट आईं हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर की हैं। पति राज कौशल की मृत्यु के लगभग दो महीने बाद पहली बार मंदिरा ने काम शुरू करते हुए अपनी तस्वीरें सार्वजनिक की हैं। मंदिरा के पति बॉलीवुड निर्देशक राज कौशल की मौत इसी साल 30 जून को हो गई थी। तब से मंदिरा सोशल मीडिया से भी दूरी बनाए हुए थीं और उनका यह वक्त काफी दु:ख में बीता। अब एक बार फिर से अभिनेत्री ने नए सिरे से जीवन की शुरुआत की है और काम पर लौट आईं हैं।उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी सेल्फी शेयर की है और इसमें बताया है कि वो काम पर वापस लौट आई हैं। मंदिरा ने लिखा है 'काम पर वापस आने के लिए आभारी हूं। सभी की दयालुता के लिए आभारी हूं। अपने जीवन में मौजूद लोगों के लिए आभारी और धन्य हूं। स्वस्थ और जीवित रहने के लिए भी बहुत आभारी हूं।' मंदिरा की इस इंस्टाग्राम पोस्ट पर उनके फैंस अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। आपको बता दें कि मंदिरा बेदी अपने अभिनय से लेकर स्टाइल और फिटनेस के लिए जानी जाती हैं। पति की मौत के बाद उन्होंने कुछ वक्त के लिए काम से ब्रेक लिया था, लेकिन अब अपने पुराने पॉजिटिव अंदाज के साथ वो काम पर लौट आई हैं।

अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में मंदिरा बेदी ने लाल ब्लाउज के साथ हरे रंग की साड़ी पहनी हुई है और उनकी आंखों पर मेकअप है। वहीं, इससे पहले मंदिरा ने एक और इंस्टाग्राम पोस्ट शेयर की थी, जिसमें उन्होंने सबसे पहले काम पर लौटने की जानकारी दी थी। इस तस्वीर में वह कैमरे के सामने नजर आ रही हैं। उनके हाथ में कॉफी का मग है। इसके कैप्शन में मंदिरा ने लिखा है 'बैक टू वर्क'। इस पोस्ट में मंदिरा के प्रशंसकों ने उनको शाबाशी दी है। उनको काम पर वापस लौटा देख फैंस ने भी खुशी जाहिर की है। मंदिरा के दो बच्चे हैं। बेटे का नाम वीर है और बेटी का नाम तारा है। इससे पहले मंदिरा बेदी ने पॉजिटिव एटीट्यूड वाला एक वीडियो भी शेयर किया था। जिसमें उन्होंने कई बातें कही थीं। उनके पति का निधन कार्डिएक अरेस्ट से हुआ था। इसके बाद वो इंस्टाग्राम पर कम नजर आ रही थीं। हालांकि पति की मौत के पांच दिन बाद उन्होंने एक पोस्ट के जरिए अपना दिल का दर्द व्यक्त किया था।

पोर्नोग्राफी केस-अब एसआईटी करेगी राज कुंद्रा के अश्लील फिल्म रैकेट की जांच

मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अश्लील फिल्म रैकेट के खिलाफ जांच का दायरा बढ़ा दिया है। अब इसकी जांच के लिए पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम (एसआईटी) का गठन किया गया है। एसआईटी इसमें फंसे अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा के पोर्नोग्राफी मामले की गहराई से जांच करेगी।क्राइम ब्रांच ने बढ़ाया जांच का दायरा, हर किरदार की होगी निगरानीपुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि एसआईटी का नेतृत्व एक सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) स्तर का अधिकारी करेंगे और क्राइम ब्रांच के वरिष्ठ अधिकारियों को रिपोर्ट करेंगे। अब तक पोर्नोग्राफी को लेकर तीन अलग-अलग एफआईआर, और अनेक पीड़ितों की शिकायतें दर्ज हुई हैं। यह सभी मामले एसआईटी को हस्तांतरित किए जाएंगे। एसआईटी इस मामले की निगरानी करेगी और हर कड़ियों को जोड़ते हुए आरोपियों पर कानूनी शिकंजा कसेगी।

एडल्ट कंटेंट से जुड़े केस में राज कुंद्रा मुख्य आरोपी हैं। पुलिस कुंद्रा को ही पोर्न फिल्मों का सरगना मान रही है। पुलिस ने पोर्न फिल्में बनाने और उसे एप्स और ओटीटी प्लैटफार्म पर प्रसारित करने के आरोप में कुंद्रा को 19 जुलाई को गिरफ्तार किया था। कुंद्रा 27 जुलाई तक पुलिस कस्टडी में रहे और अब न्यायिक हिरासत में आर्थर रोड जेल में हैं। इस बीच कुंद्रा ने चार बार जमानत के लिए याचिका दायर की जो नामंजूर कर दी गई। अब आगामी 20 अगस्त को फिर उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई होनी है।

एक साल में ही टूट गई थी बॉबी खान संग सुनिधि चौहान की शादी, दूसरी बार बसाया घर

बॉलीवुड की मशहूर सिंगर सुनिधि चौहान का आज जन्मदिन है। सुनिधि का जन्म 14 अगस्त 1983 को नई दिल्ली में हुआ था। सुनिधि जब चार साल की थीं तभी से उनका गायिकी की तरफ रुझान था। इसलिए वो मंदिरों में होने वाले जगराते में गाने जाती थीं। हिंदी के अलावा सुनिध ने मराठी, कन्नड़, तेलुगू, तमिल, पंजाबी, बंगाली, असमी, नेपाली और उर्दू में भी गाने गाए हैं। सिंगर के अलावा सुनिधि एक फैशन आइकन भी हैं।11 साल में मिला फिल्मों में गाने का मौकासुनिधि ने चार साल की उम्र से गाना शुरू कर दिया थालेकिन फिल्मों में 11 साल की उम्र में गाना शुरू किया। डीडी वन टीवी चैनल पर टैलेंट हंट में सुनिधि चौहान ने हिस्सा लिया था। उन्होंने वो प्रतियोगिता जीती और लता मंगेशकर के हाथों से उन्हें पुरस्कार मिला। इसके बाद तो जैसे सुनिधि की जिंदगी ही बदल गई। लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि सुनिधि का असली नाम निधि है। 16 साल की उम्र में सुनिधि को फिल्म मेकर रामगोपाल वर्मा ने अपनी फिल्म 'मस्त' में मौका दिया था। इस फिल्म के सभी गाने सुपरहिट रहे थे। सुनिधि ने साल 2013 में एशिया की टॉप 50 सेक्सिएस्ट लेडीज में अपनी जगह बनाई थी। इधर सुनिधि सफलता की सीढ़ियां चढ़ रही थीं उधर उनका दिल किसी के लिए घड़क रहा था। सुनिधि ने 18 साल की उम्र में अपने से 14 साल बड़े डायरेक्टर बॉबी खान से शादी कर ली थी। सुनिधि ने अपने घरवालों की मर्जी के खिलाफ जाकर बॉबी खान से शादी की थी। हालांकि शादी के एक साल के अंदर ही दोनों को अपनी गलती का अहसास हो गया। इस तरह आपसी सहमति से दोनों का तलाक हो गया। बॉबी खान बॉलीवुड के स्क्रीनराइटर और डायरेक्टर हैं। इसके बाद सुनिधि ने खुद को संभाला और फिर से गाना शुरू किया। सुनिधि ने शादी टूटने के 9 साल बाद म्यूजिक कंपोजर हितेश सोनिक से शादी की। हितेश भी सुनिधि से 14 साल बड़े हैं। हितेश सुनिधि के बचपन के दोस्त थे।

राखी सावंत ने शख्स पर घर में जबरन घुसने का लगाया आरोप, पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

'बिग बॉस' के बाद से राखी सावंत लगातार सुर्खियों में हैं। पैपराजी के सामने वह अपना फनी अंदाज पेश करती रहती हैं। वह किसी भी सवाल पर अपनी राय रखने से बिल्कुल नहीं झिझकतीं। राखी सावंत को लेकर अब खबर है कि उन्होंने एक शख्स के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शख्स अपने आपको फैन बता रहा था और दरवाजा तोड़कर उनके घर में घुस गया। राखी के घर घुसा शख्स राखी ने बताया कि जब यह घटना हुई वह उस वक्त घर पर नहीं थीं। उनके घर जो लड़की रह रही थीं वह घायल हो गई। राखी का यह वीडियो पैपराजी फोटोग्राफर वीरल भयानी ने अपने सोशल मीडिया पेज पर साझा किया है। वीडियो में राखी कहती हैं कि 'मैं तो अभी बहुत घटिया सोसाइटी में रहती हूं। अभी पुलिस स्टेशन में एक बंदे को जेल में डाल दिया। वह मेरे घर में पहुंच गया था और दरवाजा तोड़ दिया। ओशिवारा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। उसको अभी जेल में डाला है, पागल है।' पुलिस में दर्ज कराई शिकायत राखी आगे बताती हैं कि 'फैन-फैन बोलकर ना... अरे फैन है तो इंसान प्यार करता है ना, कोई दरवाजा थोड़े ना तोड़ देता है। मैं नहीं थी घर पर। घर पर लड़की थी वह डर गई। उसे भी चोट आई। फिर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने उसे जेल में डाल दिया। इसलिए मैं अभी अच्छे एरिया में नहीं रहती हूं।' 'बिग बॉस' के बाद बिजी राखी सावंत इन दिनों एक के बाद एक प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। उनका गाना 'लॉकडाउन' हाल ही में रिलीज हुआ। उससे पहले गाना 'ड्रीम में एंट्री' पहले ही धमाल मचा चुका है।

भुज-जब 300 महिलाओं की मदद से भारतीय सेना ने नाकाम किए थे पाक के मंसूबे, ये है असली कहानी

देशभक्ति पर बनी फिल्में जब भी रिलीज होती हैं या टीवी पर फिर से प्रसारित होती हैं तो लोगों में देशभक्ति का जज्बा फिर से जाग जाता हैं। भारत में ऐसी बहुत सी फिल्में बनी हैं जिन्हें दर्शकों ने काफी पसंद किया है। सबसे खास बात तो ये है कि देशभक्ति पर बनी ज्यादातर फिल्मों की कहानियां सच्ची घटनाओं पर आधारित है। अजय देवगन की फिल्म भुज भी ऐसी ही एक सच्ची घटना पर आधारित फिल्म है जिसमें भारत-पाकिस्तान के बीच 1971 में हुए युद्ध की कहानी दिखाई गई है।जब महिलाओं की मदद से पाकिस्तान को मिली थी हारफिल्म में दिखाया गया है कि कैसे गांव की महिलाओं ने रनवे बनाने में भारतीय सेना की मदद की थी और उनकी मदद से भारत पाकिस्तान पर जीत हासिल करने में कामयाब रहा था। इस फिल्म के ट्रेलर को देखकर ही लोगों में जोश बढ़ गया है। अब ये फिल्म कैसी है वो तो आपको आने वाले वक्त में पता चलेगा फिलहाल हम आपको उस सच्ची घटना के बारे में बताते हैं जिससे प्रेरित होकर ये फिल्म बनाई गई है। 8 दिसंबर 1971 को पाकिस्तान के साब्रे जेट्स ने 14 नापालम बम भारत के भुज स्थित एयरफोर्स बेस पर गिराए थे।

इन धमाकों से भारतीय सेना का रनवे तबाह हो गया था जिसके चलते सारे हवाई ऑपरेशंस में बाधा आ गई। पाकिस्तान की तरफ से किया गया दूसरा हमला इतना खतरनाक था कि भारतीय सेना को बॉर्डर सेक्योरिटी फोर्स से मदद लेनी पड़ी थी।

1971 में जब पाकिस्तान के हमले से भुज के एयर स्ट्रिप बर्बाद हो गए थे तो विजय कार्णिक इसी भुज एयरपोर्ट के इंचार्ज थे।

हालांकि भारतीय वायुसेना के पास इतने श्रमिक नहीं थे जो एयरस्ट्रिप को तुरंत ठीक कर पाते। इसके बाद कैंप के नजदीक स्थित माधापुर गांव की 300 महिलाओं ने फिर से रनवे बनाने में मदद की। महिलाओं ने बिना किसी चीज की परवाह किए हुए लगातार मेहनत की और 72 घंटे के अंदर उन्होंने नया रनवे बना दिया था। ऐसे में विजय कार्णिक ने महिलाओं की मदद से इस रनवे को दोबारा खड़ा करवाया था। दरअसल सुरेंदरबन जेठा माधरपाया ने महिलाओं को इस काम के लिए इकट्ठा किया था और विजय कार्णिक से मिलवाया था। सुरेंदरबन के रोल में सोनाक्षी सिन्हा नजर आएंगी वहीं विजय कार्णिक के रोल में अजय देवगन नजर आएंगे। ये लड़ाई भारत ने सिर्फ अपने सैनिकों ही नहीं बल्कि गांव की इन महिलाओं के सहयोग से भी जीती थी।

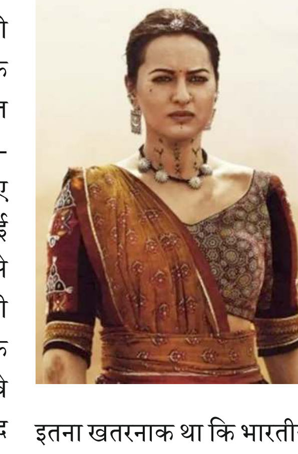

रसेल क्रो और कंगना रणौत को एक फिल्म में साथ देखने की फैन ने जताई इच्छा, अभिनेता ने दी ये प्रतिक्रिया

सिनेमा प्रेमियों के दिल में अक्सर अपने चहीते सितारों को लेकर कई तरह की ख्वाहिशें होती हैं और अक्सर वो अपनी ये इच्छाएं सोशल मीडिया पर साझा करते हैं। अब हाल ही में एक फैन ने ट्वीट कर ये इच्छा जाहिर की थी कि वो हॉलीवुड अभिनेता रसेल क्रो और बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रणौत को एक ही फिल्म में देखना चाहते हैं।रसेल ने रीट्वीट किया फैन का पोस्टफैन ने ट्वीट किया था, 'कितना अच्छा होगा ना अगर दो प्रतिभाशाली कलाकार दो अलग फिल्म इंडस्ट्री से आकर साथ काम करें, एकाडमी अवॉर्ड विजेता रसेल क्रो और चार बार राष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुकीं कंगना रणौत अगर एक फिल्म में काम करें तो'। सबसे खास बात ये है कि फैन के इस ट्वीट को अभिनेता रसैल ने रीट्वीट किया है। फिल्म ग्लैडियेटर में अपनी परफॉरमेंस से एकाडमी अवॉर्ड अपने नाम करने वाले 57 वर्षिय अभिनेता रसेल क्रो ने इस ट्वीट को रीट्वीट कर फैंस के दिलों में हलचल मचा दी। एक यूजर ने लिखा- इस बात में कोई संदेह नहीं है कि दोनों एक साथ फिल्म में काफी अच्छे लगेंगे। वहीं एक ने लिखा- ये दोनों साथ आए तो फिल्म वाकई धमाल होगी। बहुत से लोगों ने उनके रीट्वीट पर ये भी पूछा कि ये अभिनेत्री कौन हैं? वो काफी खूबसूरत दिख रही हैं। वहीं एक यूजर ने लिखा कि, 'रसेल और कंगना दोनों ही शानदार कलाकार हैं, ये देखकर अजीब लगता है कि उन्हें लेकर मीडिया में काफी नकारात्मक बातें सुनने को मिलती हैं। रसेल आप इन बातों से खुद को दूर रखिए'। बता दें कि रसेल ने कई शानदार फिल्मों में काम किया है जिसमें ए ब्यूटीफूल माइंड, नोहा, द नाइस गाइज और मैन ऑफ स्टील शामिल है। वो बहुत जल्द क्रिस हेम्सवर्थ के साथ फिल्म थॉर- लव एंड थंडर में नजर आएंगे।

शॉर्ट टर्म सर्टिफिकेशन प्रोग्राम समय की मांग है

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

बदलते समय के साथ ग्रेजुएशन काफी हद तक एक बुनियादी शिक्षा बनता जा रहा है। कई फर्मों को अधिक योग्यता वाले विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है। यह एक प्रतिस्पर्धी कार्यस्थल में पदोन्नत होने की संभावना को बढ़ाता है। यह तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था के कारण है। उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम एक बुनियादी कुशल सेट का वादा करता है। इससे उन्हें कार्यस्थल पर टिके रहने में मदद मिलती है। आप जिस करियर को आगे बढ़ाना चाहते हैं, उसके बारे में आपके पास एक मोटा विचार होना चाहिए। यह आपको अपने प्रवेश द्वारों की तैयारी में भी मदद कर सकता है। आप में से कुछ लोग शॉर्ट टर्म कोर्स के बारे में सोच रहे होंगे। Six Sigma प्रशिक्षण जटिल विषयों पर आत्मविश्वास से चर्चा करने, समस्याओं को प्रभावी ढंग से हल करने और उपयोगी सिफारिशें प्रदान करने की क्षमता में सुधार करता है। Six Sigma प्रमाणन आपको परियोजनाओं को प्रभावी ढंग से पूरा करने और आपके संगठन के लिए संचालन लागत को कम करने में विश्वास दिलाता है।

Leadership in Energy & Environmental Design (LEED) Accrediatiated Professional (AP) को एक विपणन योग्य संपत्ति प्रदान करता है। एक नए करियर पथ की अनुमति देता है, भले ही आपके पास कोई पूर्व अनुभव न हो। उन परियोजनाओं के लिए जिन पर मालिक एक LEED पेशेवर की भागीदारी अनिवार्य कर रहे हैं

Data Science आज एक गतिशील क्षेत्र बन गया है और ग्रेजुएशन के बाद सबसे अच्छा कोर्स है। Data Scientist फर्मों को बाजारों में उपभोक्ता पैटर्न का विश्लेषण करने में मदद करते हैं।ग्रेजुएशन के बाद यह सबसे अच्छे कोर्स में से एक है।

Project Management Professional (PMP), परियोजना प्रबंधन पेशेवर के लिए खड़ा है। यह डिग्री क्षेत्र में ज्ञान का एक मानक है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से, छात्रों को एक परियोजना के प्रबंधन के लिए आवश्यक उपकरण सीखने को मिलते हैं। Artificial Intelligence (AI) अगली बड़ी चीज होगी जिसे इंसान देखेंगे। हम अपने दैनिक जीवन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता को अपनी गति पकड़ते हुए भी देख सकते हैं। साथ ही, (AI) से संबंधित कोर्स का अध्ययन करने का यह सबसे अच्छा समय है। इन सभी प्रमाणन कार्यक्रमों का सबसे अच्छा हिस्सा यह है कि इनकी लागत अधिक नहीं होती है। जब आप एक पेशेवर पाठ्यक्रम का अनुसरण करते हैं, तो आप अधिक से अधिक सीखने के द्वार खोलते हैं। आपको एक्सपोजर और बेहतर विचार भी मिलते हैं जो आपको आपकी रुचि के क्षेत्र के साथ बरकरार रखते हैं। अधिक जानकारी वेबसाइट tsapmumbai.in पर जाकर प्राप्त की जा सकती है।

अपने कर्मचारियों से भी प्रॉपर्टी टैक्स वसूलेगी बीएमसी!

मुंबई, बीएमसी प्रशासन अपने उन कर्मचारियों से प्रॉपर्टी टैक्स वसूलेगी, जो उसकी जमीन पर बने घरों में किराएदार के रूप में रह रहे हैं। प्रशासन के इस निर्णय से बीएमसी कर्मचारियों में भारी नाराजगी है। बीएमसी में नेता विपक्ष रवि राजा ने कहा कि कई बीएमसी कर्मचारी उनसे इस विषय में शिकायत कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने जो जवाब दिया है, वह स्थायी समिति का अपमान है। रवि राजा ने कहा कि इससे साबित होता है कि बीएमसी प्रशासन पर शिवसेना की पकड़ कमजोर हो गई है। अपनी जमीन पर बने घरों में रहने वाले कर्मचारियों से बीएमसी किराया वसूलती है, वह किराएदार हैं फिर उनसे प्रापर्टी टैक्स कैसे वसूला जा सकता है। 'टैक्स वसूलना नियम के तहत'स्थायी समिति में रवि राजा ने बीएमसी प्रशासन के इस प्रस्ताव का जोरदार विरोध किया था। उन्होंने सवाल उठाया कि किराएदारों से प्रॉपर्टी टैक्स कैसे वसूला जा सकता है। इस पर स्थायी समिति अध्यक्ष यशवंत जाधव ने प्रशासन से जवाब मांगा था। प्रशासन ने अपने जवाब में कहा है कि किरायेदारों से प्रॉपर्टी टैक्स वसूलना नियम के तहत है।

वहीं बीएमसी प्रॉपर्टी टैक्स विभाग का कहना है कि बीएमसी की जिन इमारतों में हमारे कर्मचारी व अन्य किराएदार रहते हैं, वहां का किराया काफी कम है, जबकि ऐसी इमारतों के मेंटेनेंस का खर्च बहुत ज्यादा है। इसलिए किराएदारों से प्रॉपर्टी टैक्स वसूलना जायज है। 'देश में पहली बार ऐसा होगा'भाजपा ने भी बीएमसी के इस रवैये के विरोध किया है। भाजपा प्रवक्ता भालचंद्र शिरसाट ने कहा कि देश में पहली बार ऐसा होगा कि भाड़े पर रहने वाले लोगों से प्रॉपर्टी टैक्स वसूला जाएगा। जो कर्मचारी उस घर का मालिक ही नहीं है, वह प्रॉपर्टी टैक्स कैसे भरेगा? रवि राजा ने कहा कि बुधवार की बैठक में वे इस मुद्दे पर स्थगन प्रस्ताव लाने वाले हैं। कांग्रेस किसी कीमत पर ऐसी जनविरोधी कानून को लागू नहीं होने देगी।

मुंबई से कोंकण तक जाएगी राणे की जन आशीर्वाद यात्रा

राणे ने कहा कि केंद्र सरकार ने जो अच्छे कदम उठाए हैं उन्हें जनता तक पहुंचाना है। उसके लिए रूपरेखा तैयार की जा रही है।

मुंबई, बीजेपी नेता और केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने हाल में मोदी मंत्रीमंडल में लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय का पदभार संभाला है। कार्यभार संभालने के बाद अब नारायण राणे पहली बार महाराष्ट्र में आएंगे। इसके साथ ही उन्होंने महाराष्ट्र में शक्ति प्रदर्शन का भी मन बनाया है। जिसका मुजाहिरा जन आशीर्वाद यात्रा के रूप में होगा। राणे अब जन आशीर्वाद यात्रा निकालने की तैयारियों में जुटे हैं। यह यात्रा मुंबई से लेकर कोंकण तक निकाली जाएगी। 19 अगस्त शुरू होगी जन आशीर्वाद यात्रा नारायण राणे आगामी 19 अगस्त से इस जन आशीर्वाद यात्रा की शुरुआत मुंबई से करेंगे। यह यात्रा दो दिनों तक मुंबई में ही रहेगी। इसके बाद 21 अगस्त को वसई- विरार फिर 23 अगस्त को अगला पड़ाव होगा दक्षिण रायगढ़ में उसके बाद 24 अगस्त को चिपलुन में जाएगी यह यात्रा। 25 अगस्त को रत्नागिरी और 26 अगस्त को सिंधुदुर्ग में राणे का शक्ति प्रदर्शन समाप्त होगा। इस यात्रा के जरिये राणे सीधे जनता के बीच जाएंगे। ठाकरे सरकार पर निशाना कुछ दिनों पहले नारायण राणे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि सवा महीने हो गए हैं राज्य सरकार की कमियों को नहीं बताया है।

इसलिए 16 तारीख के बाद महाराष्ट्र आऊंगा। ठाकरे सरकार के कार्यकाल में महाराष्ट्र बर्बादी की राह पर जा रहा है। इसलिए लोगों को जागृत करना होगा। राणे चिपलुन में बाढ़ पीड़ितों से भी मिलेंगे। राणे ने कहा कि मेरे जाते ही केंद्र सरकार ने 700 करोड़ रुपये की मदद भेजी। राज्य सरकार ने केवल 10 हज़ार रुपए दिए।

अफ्रीकन गैंग जंगल में चलाता था ड्रग्स रैकेट, NCB टीम पर बोला हमला

मुंबई, मुंबई नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक करोड़ से ज्यादा का ड्रग्स सीज किया है। इस कार्रवाई में एमडी, हिरोइन और कोकेन भी कमर्शियल क्वांटिटी में जब्त की गई है। इस कार्रवाई के दौरान एनसीबी के अधिकारियों पर ड्रग स्मगलरों ने जानलेवा हमला भी किया। जिसमें चार अधिकारी घायल हुए हैं जबकि एक अधिकारी की हालत गंभीर बताई जा रही है। जंगल में लगता था ड्रग्स का बाजार एनसीबी के मुताबिक मुंबई के मानखुर्द से लेकर वाशी के बीच में जंगल के इलाके में ड्रग्स का बड़ा रैकेट चलता था। शाम के वक्त में इस जगह पर ड्रग्स का बाजार लगता था। एनसीबी ने गुप्त सूचना के आधार पर इस कार्रवाई को अंजाम दिया है। जानकारी के मुताबिक यह एक अफ्रीकन गैंग है। जो अवैध तरीके में भारत में रहकर ड्रग्स रैकेट चला रहा था।

दोनों डोज ले चुके 10 मरीज, सिंगल डोज वाले 8 लोग भी संक्रमित

मुंबई, राजधानी मुंबई सहित महाराष्ट्र के अलग-अलग शहरों में डेल्टा प्लस वेरिएंट की धमक बढ़ती जा रही है। राज्य में डेल्टा प्लस मरीजों की संख्या अब 66 हो गई है। बुधवार को यह संख्या 65 थी। ठाणे जिले में एक और 50 वर्षीय महिला जीनॉम सिक्वेंसिंग में डेल्टा प्लस से संक्रमित पाए जाने से राज्य में डेल्टा प्लस मरीजों की संख्या 66 हो गई है। इनमें से अभी तक 5 लोगों की मौत होने की पुष्टि हुई है। बता दें कि मुंबई में डेल्टा प्लस वेरिएंट से ग्रसित पूर्वी उपनगर की 60 वर्ष से अधिक उम्र की बुजुर्ग महिला की मौत की खबर गुरुवार को मिली थी। शुक्रवार को रायगड, बीड और रायगड जिले में डेल्टा प्लस से और तीन मरीजों की मौत की पुष्टि राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने की है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक राज्य में डेल्टा प्लस से अभी तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वाले सभी 5 मरीज 65 वर्ष के थे। इनमें से दो मरीजों ने कोरोना वैक्सीन की दोनों डोज ली थी। 10 ने लिए थे वैक्सीन के दोनों डोज 66 मरीजों में डेल्टा प्लस की पुष्टि हुई है। इसमें से 32 पुरुष और 34 महिलाएं हैं। इसमें से 10 मरीजों ने कोरोना वैक्सीन की दोनों डोज ले चुके और 8 लोगों ने वैक्सीन की एक खुराक ली है। 18 में से 2 ने कोवैक्सीन और बाकी ने कोविशील्ड की खुराक ली थी। 80% अधिक सैंपल डेल्टा वेरिएंट स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, राज्य में अब तक जितने भी सैंपल जीनोमिक सिक्वेंसिंग के लिए भेजे गए हैं, उनमें से 80 फीसदी से अधिक नमूनों में डेल्टा वेरिएंट की पुष्टि हुई है, जबकि 66 लोग डेल्टा प्लस से संक्रमित हुए हैं। 11 मरीजों के साथ मुंबई तीसरे स्थान पर

मुंबई से भेजे गए सैंपल में से 11 लोगों में डेल्टा प्लस की पुष्टि हुई है। सबसे अधिक मामले जलगांव में 13, रत्नागिरी में 12, ठाणे में 6, पुणे में 6, पालघर और रायगड प्रत्येक जिले में 3, नांदेड़, गोंदिया प्रत्येक जिले में 2, चंद्रपुर, अकोला, सिंधुदुर्ग, सांगली, नंदुरबार, औरंगाबाद, कोल्हापुर और बीड प्रत्येक जिले में एक मरीज मिले हैं।

दही हांडी का पर्व मनाने पर अड़ा विपक्ष, सरकार ने दी कार्रवाई की चेतावनी

महाराष्ट्र के अल्पसंख्यक विकास मंत्री नवाब मलिक ने एक बयान में कहा है कि जिस तरह से बीजेपी और महाराष्ट्र नव निर्माण सेना के लोग दही हांडी का आयोजित करने की बात कर रहे हैं। यह बिल्कुल ठीक नही हैं। मलिक ने कहा कि सरकार की ओर से एसओपी जारी की जाती है। ऐसे में सभी नागरिकों, नेता और विधायकों की जवाबदारी बनती है की वो इसका पालन करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद देश के लोगों से अपील कर रहे हैं कि त्योहारों के दौरान लोग भीड़ ना करें। नियमों का पालन करें। मोदी अपने नेताओं को भी यह कह रहे हैं कि लोगों के बीच जाकर उन्हें समझाने का काम करें। अगर ऐसे में बीजेपी के विधायक मोदी की बात नहीं सुन रहे हैं तो इससे ज्यादा बुरा और कुछ नहीं हो सकती। जो नियम बनाए जायेंगे। उस पर अमल करना सबकी जिम्मेदारी है। अगर अमल नहीं होगा तो निश्चित रूप से प्रसाशन सबंधित लोगों पर कार्रवाई करेगा।

'कोविशील्ड और कोवैक्सिन की मिक्सिंग नहीं होनी चाहिए'

बता दें कि डोज की मिक्सिंग कर ये देखा जाना है कि एक शख्स को क्या दोनों कंपनी की डोज लगाई जा सकती हैं। यानी पहली डोज कोवैक्सिन और दूसरी कोविशील्ड की।

मुंबई, कोविशील्ड बनाने वाले सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के चेयरमैन सायरस पूनावाला ने कहा है कि कोविशील्ड और कोवैक्सिन की डोज की मिक्सिंग करना गलत है। असल में ड्रग रेग्युलेटर ने हाल में एक स्टडी को मंजूरी दी थी जिसमें वेल्लोर के क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज में कोविशील्ड और कोवैक्सिन की मिक्सिंग करके उसके असर को परखा जाएगा। यह स्टडी तीन सौ स्वस्थ वॉलिंटियर्स पर की जानी है। पूनावाला का इस पर कहना है कि टीकों की डोज को मिक्स करने की जरूरत नहीं है। अगर ऐसा करने से कुछ गड़बड़ हुआ तो वैक्सीन बनाने वाली दोनों कंपनियों के बीच ब्लेमगेम शुरू हो जाएगा। मिक्सिंग से नुकसान हुआ तो सीरम कहेगा कि दूसरी वैक्सीन सही नहीं है और दूसरी वैक्सीन बनाने वाले भी हम पर ब्लेम करेंगे। पूनावाला ने ये बात पुणे में तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ में कही। आईसीएमआर की स्टडी के मुताबिक, यूपी में 18 लोगों को गलती से अलग-अलग कंपनी की डोज लग गई थीं। जब जांच की गई तो उनके भीतर एक जैसी वैक्सीन लगाने वालों की तुलना में बेहतर इम्यूनिटी पाई

गई। इसी स्टडी में यह भी पता लगा कि दोनों टीकों की मिक्सिंग करना सुरक्षित है और इससे होने वाला रिस्क उतना ही है जितना कि खुद टीकों के मामले में रहता है।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।